संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

शहर समता

वर्ष-21 अंक- 07
पृष्ठ 8
रविवार
22 सितम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- डेंगू में ये दवाइयां लेना...

विचार- आरक्षण भीतर आरक्षण सही या...

खेल- पंत-गिल के शतकों से भारत ने...

गोरखपुर में सीएम योगी ने सुनी 400 लोगों की समस्याएं, अधिकारियों को दिए कड़े निर्देश

जनता की हर शिकायत सुनें

जनता दर्शन में सीएम ने दिए विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए विशेष निर्देश

जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों को विभिन्न मुद्दों से संबंधित समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए और जनता को आश्वासन दिया कि उनकी हर समस्या पर गंभीरता से ध्यान दिया जाएगा। मुख्यमंत्री ने जनता से मुलाकात के बाद कहा कि किसी भी समस्या को नजरअंदाज नहीं किया जाएगा और सरकार हर संभव प्रयास कर रही है कि हर व्यक्ति को न्याय और राहत मिले।

गोरखपुर (एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को अपने गोरखपुर प्रवास के दूसरे दिन जनता से सीधा संवाद करते हुए उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अफसरों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि सभी समस्याओं का समाधान 15 दिनों के भीतर होना चाहिए और इसके लिए एक विस्तृत रिपोर्ट भी सौंपी जाए।

मुख्यमंत्री ने गोरखनाथ मंदिर परिसर में लगभग 400 लोगों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की और उनकी समस्याओं को ध्यान से सुना। उन्होंने खुद जनता के पास पहुंचकर उनके प्रार्थना पत्र लिए और संबंधित अधिकारियों को तत्काल आवश्यक निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने सभी शिकायतों पर उचित कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा, ष्सरकार सभी की समस्याओं को हल करने के लिए पूरी तरह संकल्पित है।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि हर मामले का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और संतोषजनक ढंग से किया जाए। उन्होंने कहा कि हर पीड़ित की शिकायत पर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी ताकि जनता को त्वरित राहत मिल सके।

दिल्ली में आतिशी राज

○ मुख्यमंत्री के रूप में संभाली कमान, सभी मंत्रियों ने भी ली शपथ।

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अरविंद केजरीवाल के शीर्ष पद से इस्तीफा देने के बाद आतिशी ने शनिवार को राज निवास में एक समारोह के दौरान अपने नए मंत्रिपरिषद के साथ दिल्ली के मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली। पार्टी द्वारा घोषित नई मंत्रिपरिषद में नए शामिल हुए सुल्तानपुर माजरा विधायक मुकेश अहलावत के अलावा मंत्री गोपाल राय, कैलाश गहलोत, सौरभ भारद्वाज और इमरान हुसैन शामिल हैं। आतिशी के सौरभ भारद्वाज ने मंत्री पद की शपथ ली। आतिशी दिवंगत सुषमा स्वराज और दिवंगत शीला दीक्षित के बाद देश की 17वीं और राष्ट्रीय राजधानी की तीसरी महिला मुख्यमंत्री बनीं।

राय, गहलोत, भारद्वाज और हुसैन निवर्तमान केजरीवाल सरकार में मंत्री रहे हैं। आतिशी सरकार का कार्यकाल संक्षिप्त होगा क्योंकि दिल्ली में अगले साल फरवरी में विधानसभा चुनाव होने हैं। आम आदमी पार्टी (आप) ने एक अहम मोड़ पर आतिशी को शीर्ष पद प्रदान किया है, क्योंकि पार्टी अगले साल की शुरुआत में दिल्ली विधानसभा चुनाव में ना केवल सत्ता में वापसी की उम्मीद कर रही है, बल्कि वह चाहती है कि दिल्ली सरकार जन कल्याण से जुड़े लंबित नीतियों और योजनाओं पर तेजी से काम करे। यह वजह है कि आतिशी को पद संभालने के बाद कड़ी मेहनत करनी होगी और मुख्यमंत्री महिला सम्मान योजना, इलेक्ट्रिक वाहन नीति 2.0 और दहलीज पर सेवाओं की डिलीवरी जैसी अन्य योजनाओं के कार्यान्वयन को सुनिश्चित करने के लिए तेज गति से काम करना होगा।

सिसोदिया और सत्येन्द्र जैन के इस्तीफे के बाद आतिशी, सौरभ भारद्वाज के साथ दिल्ली सरकार में शामिल हो गईं। आतिशी (43)ने केजरीवाल सरकार में वित्त, राजस्व, शिक्षा और लोक निर्माण विभाग सहित 13 प्रमुख विभागों का नेतृत्व करते हुए शामिल हुईं।

सिख वाले कमेंट पर राहुल गांधी की सफाई, कहा

भाजपा मेरे बयान को लेकर झूठ फैला रही

नयी दिल्ली (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि क्या भारत ऐसा देश नहीं होना चाहिए जहां हर सिख और हर भारतीय अपने धर्म का स्वतंत्र रूप से पालन कर सके। वे

भाजपा अमेरिका में मेरे बयान को लेकर झूठ फैला रही है। मैं भारत और विदेशों में हर सिख भाई–बहन से पूछना चाहता हूं– मैंने जो कहा है, क्या उसमें कुछ गलत है? मुझे चुप कराने के लिए बेताब हैं क्योंकि वे सच्चाई बर्दाश्त नहीं कर सकते। विविधता में हमारी एकता, समानता और प्रेम ये मूल्य जो भारत को परिभाषित करते हैं।

जम्मू–कश्मीर में बोले अमित शाह

ये चुनाव तीन परिवारों का शासन समाप्त करने वाला है

अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू–गांधी परिवार पर हमला बोला

गृहमंत्री अमित शाह ने कहा कि जम्मू–कश्मीर में अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू–गांधी परिवार ने 90 के दशक से लेकर अब तक दशहतगर्दी फैलाई। आज पीएम मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने जम्मू–कश्मीर से दशहतगर्दी को समाप्त किया है। यहां के युवाओं के हाथ में पत्थर की जगह लैपटॉप दिया है।

जम्मू (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के मेंढर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने एक चुनावी जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान शाह ने कहा कि 1947 के बाद से पाकिस्तान के खिलाफ लड़े गए हर युद्ध में, इसी भूमि, जम्मू–कश्मीर के सैनिकों ने भारत की रक्षा की है। उन्होंने कहा कि 1990 के दशक में जब फारूक अब्दुल्ला के सौजन्य से आतंकवाद ने प्रवेश किया, तो यह मेरे पहाड़ी, गुर्जर और बकरवाल भाई ही थे जिन्होंने सीमाओं पर बहादुरी से गोलियों का सामना किया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये चुनाव, जम्मू–कश्मीर में तीन परिवारों का शासन समाप्त करने वाला है। अब्दुल्ला परिवार, मुफ्ती परिवार और नेहरू–गांधी परिवार... इन तीनों परिवारों ने यहां जम्हूरियत को रोक कर रखा था। अगर 2014 में मोदी जी की सरकार न आती तो पंचायत, ब्लॉक, जिले के चुनाव नहीं होते।

शाह ने दावा किया कि जम्मू–कश्मीर में अब्दुल्ला, मुफ्ती और नेहरू–गांधी परिवार ने 90 के दशक से लेकर अब तक दशहतगर्दी फैलाई। आज नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार ने जम्मू–कश्मीर से दशहतगर्दी को समाप्त किया है। यहां के युवाओं के हाथ में पत्थर की जगह लैपटॉप दिया है।

42 दिन बाद काम पर लौटे कोलकाता के जूनियर डॉक्टर्स

○ ममता सरकार को 7 दिनों का अल्टीमेटम।

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल के विभिन्न सरकारी अस्पतालों मेंजूनियर डॉक्टर्स ने 42 दिन के बाद शनिवार सुबह आंशिक रूप से काम करना शुरू किया। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल मेंड्यूटी पर मौजूद महिला चिकित्सक से बलात्कार और हत्या की घटना हुई थी। इसके खिलाफ जूनियर डॉक्टर्स ने काम बंद कर दिया था। आज उन्होंने सभी सरकारी अस्पतालों में आवश्यक और आपातकालीन सेवाओं में काम करना शुरू कर दिया, लेकिन उन्होंने बाह्य रोगी विभाग (व्व्क) में अब भी काम शुरू नहीं किया है। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों में शामिल अनिकेत महतो ने कहा, 'हमने आज से काम पर लौटना शुरू कर दिया है। हमारे सहकर्मी

केवल आवश्यक और आपातकालीन सेवाओं में अपने–अपने विभागों में काम पर लौटना शुरू कर चुके हैं, मगर ओपीडी में काम शुरू नहीं किया गया है।

भाजपा वाले खुद पाकिस्तानी : फारूक

जम्मू (एजेंसी)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के प्रमुख फारूक अब्दुल्ला ने कहा कि जब भी कोई चीज आती है वे(भाजपा) पाकिस्तान का नाम लेते हैं फिर हमसे कहते हैं कि हम पाकिस्तानी हैं। कहते हैं कि फारूक अब्दुल्ला और राहुल गांधी का गठबंधन पाकिस्तान की तरफ से हुआ है। हमें पाकिस्तान से क्या लेना देना है मुझे तो लगता है ये खुद पाकिस्तानी हैं। वे कहते थे 370 आतंकवाद का जिम्मेदार है, क्या आतंकवाद बंद हुआ? कल ही हमने देखा कि एनकाउंटर हुआ। गुलाम नबी आजाद साहब ने राज्यसभा में आंकड़े देते हुए दो राज्यों की सरकार की तुलना करते हुए दिखाया कि जम्मू–कश्मीर कितना ऊपर है और गुजरात कितना नीचे, इसलिए इन्हें लगा कि ये किसी तरह से जम्मू–कश्मीर को नीचे लाए। अब्दुल्ला ने कहा कि इन्होंने यहां के टुकड़े कर दिए। 370 सन 1927 में आया था... ये कभी भारत को नहीं बनाएंगे, ये सिर्फ विभाजन की राजनीति करेंगे।

राजनाथ सिंह ने झारखंड में परिवर्तन यात्रा की शुरुआत की, बोले

हेमंत सोरेन को सत्ता से हटाने वक्त आ गया है

नयी दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह आज झारखंड में हैं। झारखंड के चतरा में उन्होंने भाजपा के परिवर्तन यात्रा को हरी झंडी दिखाई। इस दौरान रक्षा मंत्री ने कहा कि झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भारत की स्वस्थ लोकतांत्रिक प्रथाओं के साथ खिलवाड़ किया और भ्रष्टाचार में लिप्त रहे। उन्होंने कहा कि भारत किसी भी दागी व्यक्ति को कभी स्वीकार नहीं करेगा। झारखंड में हेमंत सोरेन को सत्ता से हटाने और भाजपा को सत्ता में लाने का वक्त आ गया है। विपक्ष पर वार करते हुए कहा कि झारखंड के विकास की राह में तीन रोड़े हैं – झामुमो, कांग्रेस और राजद।

राजनाथ सिंह ने कहा कि राहुल गांधी ने विदेश में भारत की छवि धूमिल करने की कोशिश की और सिखों को उकसाया।

संस्थापित 2001 संस्थापक : स्वर्गीय कन्हैया लाल, स्वर्गीय श्रीमती साधना

हिन्दी दैनिक/हिन्दी साप्ताहिक ◆ संयम ◆ संस्कार ◆ संतुलन

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित

संपादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

प्रबंध संपादक
अरविन्द पाण्डेय

पंजीकृत कार्यालय: 289/238A, कर्नलगंज, (अनन्त भवन) प्रयागराज- 211002

M.: 9005239332, 9450482227

E-mail: shaharsamta@gmail.com
Website: www.shaharsamta.com

कछार से बाढ़ का पानी निकलने के साथ खाली होने लगे राहत शिविर, कई इलाके अब भी चपेट में

प्रयागराज। गंगा और यमुना का जलस्तर कम होने के साथ बस्तियों से भी बाढ़ का पानी निकलने लगा है। इसके साथ राहत शिविरों से लोग घर वापस होने लगे हैं। शनिवार सुबह से सभी राहत शिविर बंद कर दिए जाएंगे। नदियों के जलस्तर में लगातार गिरावट जारी है। शुक्रवार रात आठ बजे तक छतनाग में जलस्तर पर 82 मीटर से भी नीचे चला गया, हालांकि छोटा बघाड़ा, बेली कछार के निचले इलाके में कुछ घर बाढ़ की चपेट में हैं। बाढ़ का पानी निकलने के बाद सात शिविरों से ज्यादातर परिवार अपने घर वापस हो गए। एनी बेसेंट, महबूब अली इंटर कॉलेज में देर शाम तक कुछ ही लोग थे। प्रशासन ने शनिवार सुबह से शिविरों को बंद करने की बात कही है। वहीं, सदर तहसील के अंतर्गत 350 बाढ़ पीड़ितों को महापौर गणेश केसरवानी ने राशन किट वितरित किए। उधर, करछना के राहत शिविरों में विधायक पियूष रंजन निषाद ने 200 परिवारों को राशन किट दिए। बस्तियों से बाढ़ का पानी तो निकलने लगा है लेकिन गदंगी छोड़ गया है। गलियों और नदी जल के किनारे पर जगह–जगह गंदगी का ढेर है। बाढ़ क्षेत्र के नालों की गंदगी भी ऊपर से बह रही है। इससे बीमारियों का खतरा बढ़ गया है। वहीं, नगर निगम ने बघाड़ा–नेवादा में विशेष सफाई अभियान चलाया। इसके लिए 30 से अधिक टीमें लगाई गई हैं। छोटा बघाड़ा में अमिताभ बच्चन पुलिया से आगे गंगा तट पर बाढ़ से आया मलबा पड़ा है। वहां नाला ओवरफ्लो कर रहा है। यही स्थिति बाढ़ क्षेत्र में अन्य जगहों पर भी है। बेली कछार के नालों का पानी भी सड़क पर बह रहा था। इसके अलावा वहां गदंगी रही। यही स्थिति नेवादा, गंगानगर में भी रही। क्षेत्र में में गदंगी के साथ दुर्गंध से भी लोग परेशान हैं। सफाई में लापरवाही और नगर आयुक्त चंद्र मोहन गर्ग के निरीक्षण के दौरान अनुपस्थित रहने पर अवर अभियंता एसके मिश्रा का वेतन रोक दिया गया है, साथ अधिशासी अभियंता अनिल मौर्या को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। नगर आयुक्त ने शुक्रवार को अशोक नगर, नेवादा, छोटा बघाड़ा में बाढ़ प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। कई जगहों पर नालियां ध्वस्त मिलीं। नगर आयुक्त ने इन्हें ठीक कराने का निर्देश दिया। उन्होंने बेसमेंट तथा प्लॉट से पानी निकालने के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने क्षेत्र में सफाई अभियान चलाने तथा कीटनाशकों के छिड़काव के निर्देश दिए। नगर आयुक्त ने पाया कि अधिक दुकानों की वजह से थार्नहिल रोड पर जाम लग रहा है। उन्होंने सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने को कहा। इसके अलावा डेयरी संचालकों को नोटिस जारी कर उन्हें हटवाने के निर्देश दिए। पूर्व पार्षद कमलेश सिंह ने गंगा में मूर्तियों का विसर्जन नहीं करने की मांग की। इस बाबत उन्होंने राष्ट्रपति, मुख्यमंत्री, नगर विकास मंत्री, महापौर को पत्र भी लिखा है।

उनका कहना है कि गंगा नदी में रासायनिक पदार्थ की मात्रा बढ़ गई है। कई जगहों पर दो दिन पहले गणेश मूर्तियों का विसर्जन हुआ। वहीं, शुक्रवार को कई जगह मछलियां मरी थीं। उन्होंने नदियों में पर्याप्त मात्रा में पानी छोड़ने की भी मांग की। सीएमपी डिग्री कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग और हरे राम सेवा संस्थान ने शुक्रवार को बाढ़ पीड़ितों को आटा, चावल, दाल, बिस्किट, पानी की बोतल सहित अन्य राहत सामग्री बांटी। इस दौरान असिस्टेंट प्रोफेसर अनंत सिंह जैलयांग, डॉ. रितेश त्रिपाठी, डॉ. सपना मौर्या, डॉ. अनिल पंडित, सौरभ पांडेय और योगेश मौजूद रहे।

प्लेटफॉर्म नंबर सात से आगरा के लिए रवाना होगी वंदे भारत, इतना लगेगा किराया

प्रयागराज। सोमवार 23 सितंबर से शुरू हो रही आगरा–बनारस वंदे भारत के प्लेटफॉर्म और किराये का निर्धारण शुक्रवार को हो गया। आगरा से आने वाली वंदे भारत प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नंबर छह पर आएगी। इसी तरह बनारस से आगरा जाने वाली वंदे भारत का यहां प्लेटफॉर्म नंबर सात पर ठहराव होगा। 20176 आगरा कैंट–बनारस वंदे भारत में शुक्रवार दोपहर

बाद एक ओर से रिजर्वेशन शुरू हुआ। पैसेंजर रिजर्वेशन सिस्टम में बनारस से फीडिंग न हो पाने की वजह से गाड़ी संख्या 20175 वंदे भारत में रिजर्वेशन शुरू नहीं हुआ है। आगरा कैंट से प्रयागराज के लिए इस ट्रेन के एग्जीक्यूटिव चेयर कार (ईसी) का किराया 2185 रुपये निर्धारित किया गया है। इसके चेयर कार (सीसी) का किराया 1150 रुपये है। वहीं, टूंडला से प्रयागराज जंक्शन का ईसी में किराया 2075 एवं सीसी का 1085 रुपये है। इसी तरह इटावा से प्रयागराज का किराया ईसी में 1790 एवं सीसी में 955 रुपये है। रिजर्वेशन कराने के दौरान यात्रियों के पास इस बात का विकल्प रहेगा कि उन्हें ट्रेन में वेज या नॉनवेज फूड चाहिए या नहीं। अगर यात्री नो फूड का विकल्प भरते हैं तो उसका चार्ज किराये से हट जाएगा।

कुत्तों से सुरक्षा के लिए एसआरएन में 40 भूतपूर्व सैनिकों की तैनाती, हाईकोर्ट ने लिया है संज्ञान

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट में हलफनामा दाखिल कर चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव और एसआरएन के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक (सीएमएस) ने बताया है कि स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल (एसआरएन) में घूम रहे आवारा कुत्तों से लोगों की सुरक्षा के लिए 40 भूतपूर्व सैनिकों की तैनाती कर दी गई है। इसमें में से एक पर्यवेक्षक स्तर का है, नौ सशस्त्र गार्ड हैं और तीस अन्य सुरक्षा गार्ड शामिल हैं। कोर्ट में अस्पताल में कुत्तों के आतंक को लेकर सरकार और अस्पताल प्रशासन से जवाबी हलफनामा तलब किया था। राज्य सरकार का पक्ष अपर महाधिवक्ता मनीष गोयल रख रहे हैं। सरकार की ओर से दाखिल हलफनामे में बताया गया कि विभिन्न सरकारी मेडिकल कॉलेजों ६ स्वायत्त राज्य मेडिकल कॉलेजों ६ विश्वविद्यालयों ६ कॉलेजों में सुरक्षा को मजबूत करने के लिए दिशा–निर्देशों को निर्धारित करते हुए दस सितंबर को सरकार ने विस्तृत आदेश भी जारी किया है। वहीं, एसआरएन के मुख्य चिकित्सा अधीक्षक ने हलफनामे में बताया कि अस्पताल में विभिन्न विभागों में पुरुष और महिला डॉक्टरों के लिए शौचालय युक्त कुल तीस विश्राम कक्ष बनाएं गए हैं। हालांकि, पल्मोनरी विभाग और ईएनटी विभाग में महिला डॉक्टरों के लिए कोई ड्यूटी रूम नहीं है। सर्जरी विभाग में विश्राम कक्ष की मरम्मत की गई है। कोर्ट ने पाया कि हलफनामा संग दाखिल चार्ट के मुताबिक कार्डियोलॉजी, ऑर्थोपेडिक, सर्जरी (आपातकाल) के अलावा, पल्मोनरी और ईएनटी विभाग में महिला डॉक्टरों के लिए ड्यूटी रूम निर्माणाधीन हैं। कोर्ट ने पूछा कि कुछ विभागों में कई वार्ड हैं, लेकिन ड्यूटी रूम केवल एक है, ऐसा क्यों है? कोर्ट ने उक्त जानकारी के साथ सीएमएस से अतिरिक्त हलफनामा तलब करते हुए यह भी बताने को कहा है कि सभी विभागों में महिला डॉक्टरों के लिए अलग ड्यूटी रूम के निर्माण की क्या योजना है। कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई के लिए 21 अक्तूबर की तारीख नियत की है।

युवतियों को प्रेगनेंट करने के लिए प्रतिमाह पांच लाख सैलरी देने का ऑफर, कई युवक झांसे में आए

प्रयागराज। अमीर परिवार की युवतियों को प्रेगनेंट करने पर प्रति माह पांच लाख रुपये सैलरी का ऑफर देकर कई युवकों से ऑनलाइन फ्रॉड करने का मामला आया है। झांसे में आकर बड़ी संख्या में युवकों ने फेसबुक और अन्य सोशल मीडिया साइट्स पर दिए गए लिंक पर क्लिक करके रजिस्ट्रेशन के नाम पर हजारों रुपये गंवा दिए। बाद में जालसाजी का पता चलने पर इसकी शिकायत साइबर सेल से की गई है। पुलिस मामले की छानबीन में जुट गई है। युवकों को जाल में फंसाने के लिए साइबर फ्रॉड करने वालों ने अब अलग तरीका इजाद किया है। सोशल मीडिया साइट्स पर प्रलोभन देकर युवकों को चूना लगा रही हैं। इनके झांसे में युवक आ जा रहे हैं। कुछ दिन पहले सोशल मीडिया साइट्स पर एक विज्ञापन जारी किया गया। इसमें कहा गया कि अमीर परिवार की युवतियों को प्रेगनेंट करने पर पांच लाख रुपये प्रति माह सेलरी दी जाएगी। रजिस्ट्रेशन के लिए लिंक भी दिय गया था। मऊआइमा इलाके के कुछ युवक लालच में आ गए और लिंक पर क्लिक कर दिया। इसके बाद जालसाजों ने व्हाट्सएप और फोन के माध्यम से उनसे रजिस्ट्रेशन के नाम पर कई बार कई हजार रुपये अपने खाते में ट्रांसफर करा लिए। इसके बाद लगातार उस पर और पैसे देने का दबाव बनाया जाने लगा।

पुलिस अधिकारी के वेश में जालसाजों ने धमकाना शुरू कर दिया। तब युवकों को पता लगा कि उनके साथ धोखा हो गया है। अलताफ नाम के शख्स ने साइबर सेल में ऑनलाइन शिकायत करके घटना की जानकारी दी। बताया कि तीन लाख रुपये की मांग की जा रही थी। इसके बाद उसने फोन उठाना बंद कर दिया। मऊआइमा पुलिस का कहना है कि इस तरह की कोई तहरीर नहीं मिली है।

पोस्ट ऑफिस एजेंट की पत्नी को छह घंटे डिजिटल अरेस्ट कर ठगे 65 लाख, जेल भेजने का दिया झांसा

प्रयागराज। हैलो.. मैं कस्टम विभाग से बोल रहा हूं, आपके नाम से ड्रग्स का पार्सल है। अगर सब कुछ सही नहीं बताया तो आपको जेल भेज दिया जाएगा। यह झांसा देकर जालसाजों ने पोस्ट ऑफिस एजेंट की पत्नी को छह घंटे तक डिजिटल अरेस्ट कर लगभग 65 लाख रुपये ऐंठ लिए। मम्फोर्डगंज की रहने वाली महिला ने साइबर पुलिस को बताया कि उनके पति पोस्ट ऑफिस एजेंट थे। चार साल पहले उनका देहांत हो गया। पति ने लगभग 65 लाख रुपये की एफडी कराई थी। शिकायतकर्ता ने बताया कि उनके मोबाइल पर बीते आठ सितंबर को अनजान नंबर से फोन आया। खुद का नाम सुमित मिश्रा बताते हुए कहा कि वह कस्टम विभाग से बोल रहा है। कहाकि आपका पार्सल बुक है। इसके बाद बातों में उलझाए रखा और दूसरे साथी को व्हाट्सएप पर लाइन पर लेते हुए कहा कि ये दिल्ली पुलिस से सुनील हैं। लगभग दो घंटे बात करने के बाद तीसरे साथी अनिल यादव से बात कराई गई। उसने जेल भेजने की धमकी देते हुए कहा कि 29 अगस्त को आपके नाम से पार्सल मिला है। आपको गिरफ्तार कर केस को सीबीआई के पास सौंपा जाएगा। आपकी संपत्ति कुर्क कर ली जाएगी। अगले दिन 9 सितंबर सुबह 9रू42 पर फिर अनिल यादव की व्हाट्सएप कॉल आई और फिर दोपहर 3रू30 बजे तक फोन कर अलग–अलग चार बैंक खातों से कुल 65 लाख रुपये डरा धमकाकर ले लिया। पीड़ित की शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने जालसाजों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। इंडिगो एयरलाइंस में नौकरी के नाम पर 8.64 लाख ठगे साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में मऊआइमा के रहने वाले बृजेश कुमार ने बताया कि उन्होंने अपने मोबाइल पर जेएमकेआर जॉब एप को डाउनलोड किया। इसके बाद उनके मोबाइल पर फोन आया। फोनकर्ता ने खुद का नाम राजीव पांडेय बताते हुए कहा कि वह गुरुग्राम से इंडिगो एयरलाइंस से बोल रहा है। नौकरी से संबंधित दस्तावेज मांगने के बाद एक हजार रुपये प्रोसिडिंग चार्ज जमा करवा लिया। इसके बाद एक महिला ने फोन कर अलग–अलग फीस के नाम पर 1.27 लाख रुपये जमा करवा लिया। फिर नियुक्ति पत्र देने का झांसा देकर कुल 8,64,999 रुपये ठग लिए। मुंबई की कंपनी में निवेश के नाम पर 9.56 लाख की ठगी वहीं दूसरी तरफ, अल्लापुर बाघंबरी के रहने वाले आशीष खरे ने साइबर थाना पुलिस को बताया कि धन मार्केट ट्रेडिंग अकाउंट के संपर्क में आया। शेयर बाजार में निवेश के नाम पर 200 फीसदी पैसा रिटर्न का लालच दिया गया। बीस फीसदी फीस लेने की बात कही गई थी। कंपनी के सीईओ जय प्रकाश गुप्ता हैं। प्रनीता जोशी के कहने पर बल्क ऐड हन प्रो नाम का एप डाउनलोड किया और इसमें कुल 10.56 लाख रुपये निवेश कर दिया। लेकिन, पैसा वापस अकाउंट में ट्रांसफर नहीं हुआ। अब कंपनी की ओर से कहा जा रहा है कि 37 लाख रुपये सर्विस फीस जमा करनी होगी, तभी पैसा निकल सकेगा। पता चला कि यह कंपनी मुंबई के पते पर रजिस्टर्ड है। 123 रुपये का मैसेज भेज उड़ाए 8.83 लाख साइबर थाना पुलिस को दी शिकायत में ६ ामनगंज के रहने वाले शिवम ने बताया कि उनके मोबाइल पर अकाउंट में 123 रुपये प्राप्त होने का मैसेज आया। इसके बाद व्हाट्सएप पर टेलीग्राम का लिंक आया। जिसमें उसे निवेश करने का लालच दिया गया। जालसाजों की बातों में फंसकर उसने एप के माध्यम से धीरे–धीरे कुल 8,83,750 रुपये निवेश कर दिया। लेकिन, जब निवेश का पैसा उनके खाते में वापस नहीं आया तो साइबर ठगी के बारे में पता चला। शिकायत पर साइबर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

प्रयागराज के संतों में आक्रोश, कहा- प्रसादम में मिलावट हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ व षडयंत्र

प्रयागराज। आंध्र प्रदेश में तिरुपति स्थित श्री वेंकटेश्वर मंदिर के प्रसादम लड्डू में पशु चर्बी की मिलावट से प्रयागराज के संत समाज में आक्रोश है। उन्होंने इसे हिंदुओं की आस्था से खिलवाड़ और षड्यंत्र बताया है। साथ ही ऐसा कृत्य करने वालों के लिए मृत्यु दंड की मांग उठाई है। पुरानी झूंसी स्थित टीकरमाफी आश्रम के महंत स्वामी हरि चौतन्य ब्रह्मचारी महाराज ने कहा कि हिंदुओं के देव स्थान में प्रसाद में इस तरह की मिलावट घृणित कार्य है। इस तरह का कार्य करने के आरोपियों के खिलाफ सरकार को सख्त से सख्त कार्रवाई करनी चाहिए। नई झूंसी

स्थित परमानंद आश्रम ट्रस्ट के उपाध्यक्ष एवं संत स्वामी शरदपुरी महाराज ने कहा कि प्रसादम में मिलावट हिंदुओं की आस्था पर बड़ा कुठाराघात है। यह हिंदू धर्म के खिलाफ बहुत बड़ी साजिश है। इस तरह का कृत्य क्षम्य नहीं है। निरंजनी अखाड़े के आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी कैलाशानंद और अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष श्री महंत रवींद्र पुरी महाराज समेत अन्य संतों ने भी इसकी कड़ी निंदा की है। साथ ही दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की है। यही नहीं उन्होंने अन्य बड़े धार्मिक स्थलों के प्रसादम की भी जांच की मांग उठाई है। झूंसी के परशुराम अखाड़ा एवं धाम के संस्थापक सुदर्शन शरण महाराज ने इसे सुनियोजित साजिश बताया है। उन्होंने इसे धार्मिक हत्या बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त सजा की मांग उठाई। झूंसी के कैलाशाधाम आश्रम के व्यवस्थापक एवं संत स्वामी कृष्णानंद महाराज ने कहा कि पूर्व में आंध्र प्रदेश में जो सरकार थी, उसने मंदिर के बोर्ड में अन्य धर्मों के लोगों को रखा था। यह उन्हीं की साजिश प्रतीत होती है। दोषियों के खिलाफ कठोर से कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

अमर्यादित भाषाशैली समाजवादी पार्टी का कल्चर: प्रयागराज में कृषि मंत्री ने कहा-हिंदू आस्था को चोट पहुंचाना रहा है इनका मकसद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश के कृषि, कृषि शिक्षा एवं अनुसंधान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शनिवार को प्रयागराज के सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) में कहा कि अभद्र और अशिष्ट भाषा शैली समाजवादी पार्टी का कल्चर रहा है। सनातन धर्म और उनके धार्मिक स्थलों पर कमेंट करना इनकी आदत बन गई है। कृषि मंत्री सूर्य प्रकाश शाही ने तिरुपति बालाजी के लड्डू प्रसाद में जानवरों की चर्बी मिलने के प्रकरण में कहा कि केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने जांच के आदेश दिए हैं। मामले की सीबीआई जांच की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपीए सरकार के घटक दलों की हमेशा से यह मंशा रही है कि किस तरह हिंदू धर्म की आस्था पर चोट पहुंचाया जाए। कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने शनिवार को शुआट्स में टिश्यू कल्चर लैब का उद्घाटन किया एवं सरकारी परियोजनाओं की समीक्षा की। कैबिनेट मंत्री ने विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति (शैक्षिक) प्रो. जोनाथन ए. लाल के नेतृत्व में विश्वविद्यालय की सीड टेस्टिंग लैबोरेटरी, फार्म मशीनरी लैब, मालीकुलर सेलुलर इंजीनियरिंग व अन्य प्रयोगशालाओं का भ्रमण भी किया। कैबिनेट मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सर्वप्रथम राष्ट्रीय कृषि विकास योजना अन्तर्गत शुआट्स में स्थापित टिश्यू कल्चर लैब का उद्घाटन किया। तदोपरान्त छै अन्तर्गत पौधारोपण किया। विश्वविद्यालय सभागार में आयोजित कार्यक्रम में प्रो. जोनाथन ए. लाल ने कैबिनेट मंत्री को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस दौरान मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने किसानों के कल्याण हेतु अभूतपूर्व प्रयास किये है, जिससे किसानों की आमदनी बढ़ी है। प्रत्येक जिले में एक केवीके तथा बड़े जनपदों में दो केवीके स्थापित किये जा रहे हैं, तिलहन उत्पादन को बढ़ाया जा रहा है। दलहन उत्पादन 24 लाख मीट्रिक टन से बढ़कर 32.5 लाख मीट्रिक टन हो गया है। उन्होंने कहा कि शुआट्स को उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 08 परियोजनायें स्वीकृत की गयी हैं जिसके लिये 10 करोड़ रूपये निर्गत भी किये गये हैं।

काशी, अयोध्या और लखनऊ के लिए सबसे पहले चलेंगी ई-बसें, वर्कशॉप में तैयार किया जा रहा चार्जिंग स्टेशन

प्रयागराज। संगम नगरी को अगले माह एक से दूसरे शहर को जोड़ने के लिए ई–बसें मिलेंगी। पहले चरण में यूपी रोडवेज की ओर से ई–बसों का संचालन वाराणसी, अयोध्या, राबर्टसगंज और लखनऊ के लिए होगा। परिवहन निगम मुख्यालय प्रयागराज परिक्षेत्र को पहले चरण में 24 ई–बसें देगा। राजापुर स्थित प्रयाग डिपो वर्कशॉप में बसों का चार्जिंग स्टेशन तैयार किया जा रहा है। प्रयागराज में वर्तमान समय प्रयागराज सिटी ट्रांसपोर्ट सर्विसेज लिमिटेड के तहत 50 ई बसों का संचालन कुल पांच रूट पर हो रहा है। यह बसें जिले के पांच रूट पर संचालित हो रही हैं। अब पहली बार यूपी रोडवेज भी ई–बसों का संचालन करेगा। इनका रूट निर्धारित कर लिया गया है। बसों का संचालन प्रयागराज से वाराणसी, लखनऊ, अयोध्या और राबर्टसगंज के लिए होगा। अफसरों का कहना है कि चार्जिंग स्टेशन के 10 अक्तूबर तक तैयार होने की उम्मीद है। प्रयागराज को मिलने वाली 24 बसों में से सर्वाधिक 10 बसें वाराणसी के लिए चलाई जाएंगी। लखनऊ के लिए छह ई–बसों का संचालन करेगा। इसी तरह अयोध्या धाम के लिए चार और राबर्टसगंज के लिए भी चार ई–बसें चलेंगी। प्रयाग डिपो के अलावा मिर्जापुर डिपो वर्कशॉप में भी यूपी रोडवेज का प्रयागराज परिक्षेत्र चार्जिंग स्टेशन तैयार करेगा। प्रयागराज से अयोध्या ६ ाम जाने वाली बस का ठहराव प्रतापगढ़ और सुल्तानपुर में होगा। इसी तरह लखनऊ जाने वाली बस का ठहराव कुंडा, ऊंचाहार एवं रायबरेली में और वाराणसी जाने वाली बस का गोपीगंज में ठहराव होगा।

तारीख पे तारीख की आदत बन चुकी है बीमारी, कब तक कहेंगे..."जागो! उठो!"

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिरह–गवाही की लेटलतीफी को लेकर ट्रायल कोर्ट की कार्यशैली पर तल्ख टिप्पणी की है। कहा कि ट्रायल कोर्ट में तारीख पे तारीख की आदत बीमारी बन चुकी है, कब तक कहेंगे... "जागो! उठो!" लेकिन अदालतें जाग नहीं रहीं। तमाम दिशा–निर्देशों के बावजूद वकील तारीख पे तारीख मांगते है और अदालतें दे देती हैं। यह भी नहीं सोचती कि लंबी तारीखें निष्पक्ष सुनवाई के लिए अभिशाप है। इस तल्ख टिप्पणी के साथ न्यायमूर्ति कृष्ण पहल की अदालत ने नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी अनिल कुमार की जमानत नामंजूर कर दी। मामला कानपुर देहात के शिवली थानाक्षेत्र का है। आरोपी के खिलाफ वर्ष 2020 में घर में घुसकर नाबालिग से दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज हुआ था। 13 मई 2020 को आरोपी की गिरफ्तारी हुई। इसके बाद विवेचना कर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया। ट्रायल कोर्ट में शुरू हुए ट्रायल के दौरान पीड़िता की गवाही (मुख्य परीक्षा) 18 अप्रैल 2024 को हुई। जिरह (प्रति परीक्षा) 2 महीने 9 दिन बाद यानी 27 जून 2024 को हो सकी। इस बीच आरोपी के वकील की अर्जी पर जिरह टलती रही। गवाही के दौरान पीड़िता ने अभियोजन की कहानी का समर्थन किया था, जबकि जिरह के दौरान वह मुकर गई। इसी आधार पर आरोपी ने जमानत के लिए दूसरी बार हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया। इससे पहले आरोपी की पहली जमानत अर्जी खारिज हो चुकी थी। आरोपी के वकील ने दलील दी कि पीड़िता और वादी ने ट्रायल कोर्ट में अभियोजन की कहानी का समर्थन नहीं किया है। आरोपी जेल में चार साल से अधिक समय बीत चुका है। वह जमानत का हकदार है। जबकि, अभियोजन की दलील थी कि पीड़िता की मुख्य परीक्षा और प्रति परीक्षा के बीच काफी समय का अंतर रहा। आरोपी के वकील के अनुरोध पर जिरह स्थगित की गई थी। इस दौरान गवाहों को प्रभावित किया गया।

आजम खान के बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत खारिज: सामाजिक कार्यकर्ता वाकर अली खान ने दर्ज कराया था मुकदमा

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शनिवार को अपना फैसला सुनाते हुए सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम की जमानत को खारिज कर दिया है। जस्टिस समित गोपाल की सिंगल बेंच ने आदेश दिया है। रामपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ था। जौहर विश्वविद्यालय परिसर से ही सफाई मशीन के पार्ट्स को सितंबर 2022 में बरामद किया गया था।रामपुर एमपी एमएलए कोर्ट ने आजम खान और अब्दुल्ला आजम की जमानत को खारिज कर दिया था। दोनों ने हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर जमानत की गुहार लगाई थी। हाईकोर्ट ने 2 सितंबर को सुनवाई पूरी होने के बाद फैसले को सुरक्षित रख लिया था।

सम्पूर्ण समाधान दिवस सदर में डीएम एवं एसपी ने सुनी शिकायतें, 06 मामले का मौके पर हुआ निस्तारण,

शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये, अन्यथा होगी कार्रवाई–जिलाधिकारी

सरकारी जमीनों व चकमार्गो पर किये गये अवैध कब्जों को खाली कराया जाये–जिलाधिकारी

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में तहसील सदर में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। सदर तहसील सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 204 फरियादी अपनी समस्याओं के निस्तारण हेतु उपस्थित हुये जिनमें से 06 शिकायत इस प्रकृति की पायी गयी जिनका मौके पर निस्तारण कर दिया गया। सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल प्राप्त 204 शिकायतों में से 92 शिकायतें राजस्व विभाग से, पुलिस विभाग से 28, विकास विभाग से 21, खाद्य विभाग से 02, चकबन्दी विभाग से 02, विद्युत विभाग से 07 एवं 52 अन्य विभागों से सम्बन्धित शिकायते प्राप्त हुई। पुलिस विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार एवं विकास विभाग से सम्बन्धित शिकायतों को मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा द्वारा सुनी गयी। सम्पूर्ण समाधान दिवस में शिकायतकर्ता सुरेन्द्र निवासी कल्यानपुर मौरहा ने शिकायत किया कि प्रार्थी की भूमिधरी भूमि पर गांव के मुरलीधार जबरन अराजक तत्वों व परिवारीजन के सहयोग से पशुबल व धनबल के आधार पर अवैध निर्माण करना चाहते है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी सदर को निर्देशित किया कि सम्बन्धित लेखपाल को मौके पर भेजकर शिकायत का समाधान करायें। शिकायतकर्ता धर्मा देवी निवासी पूरेरामदेव थाना अन्तू ने शिकायत किया कि प्रार्थिनी के पति बीमार चल रहे है तथा कान से सुनते भी नही है, पति को शौचालय हेतु खेतों में जाना पड़ता है। प्रार्थिनी के पति के बड़े भाई राम बहादुर यादव व अरूण कुमार, कपिल, अरविन्द कुमार आबादी की भूमि में शौचालय का निर्माण नहीं करने देते है तथा प्रार्थिनी का आबादी में 1ध2 भाग है, उसे भी आज तक नहीं दे रहें है। प्रार्थिनी जब कभी शौचालय का निर्माण कराने को लेबर लाती है तब उपरोक्त लोग गाली गुप्ता देकर लेबर को भगा देते है, इस प्रकरण पर जिलाधिकारी ने तहसीलदार सदर व एसएचओ अन्तू को निर्देशित किया कि जांच कर नियमानुसार कार्यवाही की जाये। शिकायतकर्ता अमरनाथ व अनीता देवी ने शिकायत किया कि प्रार्थीगण को वृद्धावस्था पेंशन मिल रही थी जो विगत 06 माह से बंद है, वृद्धावस्था पेंशन को पुनः कराया जाये जिस पर जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि वृद्धावस्था पेंशन हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये। जिलाधिकारी ने जन शिकायतों को गम्भीरता पूर्वक सुनकर अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देशित किया कि शासन की मंशा अनुरूप शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्ण ढंग से किया जाये, अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित के विरूद्ध कार्रवाई की जायेगी। उन्होने समस्त लेखपालों और कानूनगो को सचेत करते हुये कहा कि राजस्व शिकायतों का निस्तारण मौके पर जाकर दोनो पक्षों की उपस्थिति में बिना किसी पक्षपात गुणवत्तापूर्ण ढंग से शिकायत का निस्तारण करायें और मौके पर दोनो पक्षों के हस्ताक्षर भी करायें, फर्जी रिपोर्ट कदापि न लगायी जाये अन्यथा की स्थिति में सम्बन्धित लेखपाल व कानूनगो के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जायेगी। उन्होने सभी लेखपालों को कड़े निर्देश दिये कि सरकारी जमीनों व चकमार्गो पर जो भी अवैध कब्जे किये गये है उसे खाली कराया जाये। उन्होने सम्पूर्ण समाधान दिवस में उपस्थित अधिकारियां से कहा कि वह अपने अधीनस्थों पर निर्भर न रहें बल्कि स्वयं निस्तारण की गुणवत्ता को देखें, कार्यो में ढिलाई कदापि न बरती जाये, कोई भी गरीब व्यक्ति किसी कल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रहने पाये। उन्होने अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों के निस्तारण में किसी भी स्तर पर शिथिलता या लापरवाही को बहुत ही गम्भीरता के साथ लिया जायेगा, इसलिये सभी अधिकारीगण शासन की मंशा के अनुरूप सम्पूर्ण समाधान दिवस में प्राप्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण एवं त्वरित गति से किया जाये। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक डा0 अनिल कुमार ने समस्त थानाध्यक्षों को निर्देशित किया कि सम्पूर्ण समाधान में पुलिस विभाग से सम्बन्धित प्राप्त शिकायतों का निस्तारण समय–सीमा के अन्दर किया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने पुलिस अधिकारियोंध्थानाध्यक्षों को निर्देश दिया कि जो भी शिकायकर्ता अपनी शिकायत लेकर आयें उनकी शिकायतों को विनम्रता पूर्वक सुने, प्रत्येक मामले में मौके पर जाकर निष्पक्ष जांच करें और प्रत्येक दशा में पीड़ित को न्याय मिले। इस अवसर पर उपजिलाधिकारी सदर उदयभान सिंह, तहसीलदार सहित जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

आठवीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी फ्लोरा फोना का भव्य उद्घाटन हुआ खानम आर्ट गैलरी में

प्रयागराज। जाहिदा खानम द्वारा आयोजित खानम आर्ट गैलरी में आठवीं राष्ट्रीय प्रदर्शनी का उद्घाटन 20 सितंबर 2024 को हुआ। यह प्रदर्शनी ष्फ्लोरा और फॉनाष के विषय पर केंद्रित थी, जिसमें देश भर के प्रसिद्ध कलाकारों की 72 कलाकृतियाँ

प्रदर्शित की गईं। पद्मश्री डॉ. राज बावेजा ने प्रदर्शनी का उद्घाटन किया, जबकि सरोज धींगरा मुख्य अतिथि रहीं। डॉ. जाहिदा खानम ने प्रदर्शनी के लिए क्यूरेटर की भूमिका निभाई।

विशेष अतिथि कलाकार अंतरराष्ट्रीय कैलीग्राफर गौरी यूसुफ हुसैन, मुनावर एजाजी, इम्तियाज अंसारी, अकील अहमद, दानिश अंसारी, जावरिया खान, जमाल अहमद मलिकगांव, मोहम्मद अहमद देवलघाट, फ्रेशा जेबिन, यूसुफ मंसूरी, रुशदा फातिमा, अंजलि पांडे, कुशवाहा राजकुमार, मुसाब अदील, निसार अहमद, रूबीना अख्तर, सदाफ फातिमा, सबा बानो, निदा अंसारी, शादमा वसी, रहूमा खालिक, एवं समन्वयक और अतिथि कलाकार रवींद्र कुशवाहा और तलत महमूद की शानदार कलाकृतियां इस राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी में प्रदर्शित हैं। यह प्रदर्शनी कलाकारों को अपनी प्रतिभा दिखाने का एक मंच प्रदान करती है और प्रयागराज की सांस्कृतिक धरोहर को बढ़ावा देती है।

आपात स्थिति से निपटने के लिए पर्यटन पुलिस को दिया गया प्रशिक्षण

चुनौतियों का सामना करने के लिए पर्यटन पुलिस को किया जा रहा तैयार–जयवीर

लखनऊ,(एजेंसी)। पर्यटन के क्षेत्र में देश–दुनिया को आकर्षित करने वाला उत्तर प्रदेश पर्यटन पुलिस को अपग्रेड कर रहा है। इन्हें नित नई चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार किया जा रहा है। कांशीराम इंस्टीट्यूट ऑफ टूरिज्म मैनेजमेंट में अलग–अलग बैच में ट्रेनिंग दी जा रही है। आगंतुकों के साथ व्यवहार, स्वास्थ्य देखभाल सहित अन्य जानकारियां दी जा रही हैं। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा, पर्यटकों की सुविधा, सुरक्षा और प्रदेश के पर्यटन स्थलों के प्रचार–प्रसार में सहयोग के लिए पर्यटन पुलिस का गठन किया गया है। इनकी तैनाती प्रदेश के विभिन्न पर्यटन स्थलों पर की गई है। हाल के वर्षों में उत्तर प्रदेश में तेजी से सकारात्मक बदलाव हुए हैं। पर्यटन क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं है। बीते वर्ष 2023 में 48 करोड़ से अधिक देशी–विदेशी पर्यटक उत्तर प्रदेश आए थे। इस वर्ष गति और तेज है। साल 2024 में जनवरी से जून तक यानि पहली छमाही में प्रदेश में लगभग 32 करोड़ पर्यटक आए। पर्यटकों की संख्या में अप्रत्याशित वृद्धि के साथ पर्यटन पुलिस के सामने कई नई चुनौतियां भी आई हैं। इससे निपटने व पर्यटकों को बेहतर सुविधा प्रदान करने के लिए पर्यटन पुलिस पर्यटन विभाग के मान्यवर कांशीराम इंस्टीट्यूट आफ टूरिज्म मैनेजमेंट में प्रशिक्षण का दिया जा रहा है। अलग बैच में तीन–तीन दिन की ट्रेनिंग दी जा रही है। तीसरे बैच को प्रशिक्षण दिया गया है। इसमें आगरा, मथुरा, चित्रकूट, झांसी, लखनऊ, वाराणसी आदि जगहों की पर्यटन पुलिस को ट्रेनिंग दी जा रही है। इसके पहले जुलाई व अगस्त में एक–एक बैच का संचालन हुआ था। प्रशिक्षण के दौरान स्वास्थ्य विज्ञान और स्वास्थ्य, स्वच्छता, प्राथमिक चिकित्सा, योग–ध्यान की जानकारी दी जा रही है। इसी तरह सुरक्षा व आपात स्थितियों में निपटने सहित अन्य प्रशिक्षण दिए गये हैं।

हिंदी माह में आयोजित हुआ अखिल भारतीय कवि सम्मेलन

शम्भूनाथ में बही काव्य रसधार

प्रयागराज। शंभूनाथ इंस्टिट्यूट, झलवा, प्रयागराज के तत्वाधान में हिंदी माह के अंतर्गत अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन शंभूनाथ के सभागार में हुआ। संस्थान के अध्यक्ष डॉ. धीरेन्द्र कुमार ने अंग वस्त्रम से सभी कवियों को सम्मानित किया। कवि सम्मेलन का शुभारंभ लखनऊ से पधारी कवयित्री शशि श्रेया ने अपनी वाणी वंदना एवं काव्य पाठ के साथ किया। उन्होंने पढ़ारू—— अनुभवों की धुन बनाना गीत गाना आ गया। आँसुओं को नयन के भीतर छिपाना आ गया। जीत लेगा जिंदगी की जंग वो हर हाल में, जिसको सारे दर्द सहकर मुस्कुराना आ गया। डॉ. आभा श्रीवास्तव मधुर ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने कहा—— आस्तीन मत रखना वरना आँख झपकी तो, सांप को भी पलने में देर कितनी लगती है। प्रख्यात हास्य कवि बाराबंकी से पधारे प्रमोद पंकज जी ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को भरपूर हंसाया, उन्होंने पढ़ा मदहोश लीडर नशे में हैं चूर, न तेरा कुसूर न मेरा कुसूर। तुमने भी पेपर देखा मैंने भी पेपर देखा पेपर लीक हो गया, रब्बा रब्बा सिस्टम वीक हो गया रब्बा रब्बा। कवि सम्मेलन के संयोजक संचालक गीतकार शैलेंद्र मधुर ने अपने गीतों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। उन्होंने पढ़ा, जमाना मोहब्बत का दुश्मन है लेकिन, बढ़ाओ कदम मैं तुम्हें चाहता हूँ तुम्हारी कसम मैं तुम्हें चाहता हूँ सभी को है गम मैं तुम्हें चाहता हूँ। प्रख्यात हास्य कवि अखिलेश द्विवेदी ने अपनी पंक्तियों से श्रोताओं को आह्लादित कर डाला। उन्होंने पढ़ा कभी सर्दी, कभी बारिश, कभी दोपहर से गुजरे। नहीं मालूम है हमको कहाँ किस पहर से गुजरे।अपने जीवन के रंजोगम दबाकर अपने सीने में। लुटाया प्यार ही हमने जहाँ, जिस शहर से गुजरे। कवि सम्मेलन में छात्र–छात्राएँ तथा शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे। इस अवसर पर एसआईएम संस्थान के डायरेक्टर व कोऑर्डिनेटर डॉ. मलय तिवारी, एसआईईटी डायरेक्टर डॉ. अंशुमान श्रीवास्तव, एसआईपी डायरेक्टर डॉ. मनोज मिश्रा, एसआईएल प्रिंसिपल डॉ. रजनी त्रिपाठी, डीन आर एंड डी प्रो.जे. पी मिश्रा, डीन एकेडमिक डॉ. नामीर अल हसन, इस्टेट ऑफिसर प्रो. प्रशांत अवस्थी, पीआरओ विपिन शुक्ला, हेड सीआरसी प्रो.पंकज तिवारी, असिस्टेंट प्रोफेसर आशुतोष पांडेय आदि उपस्थित रहे।

तीसरी दुनिया के देशों में जो उपन्यास लिखे गए उन्हें राष्ट्रीय रूपक के रूप में पढ़ना चाहिए

वाराणसी सआचार्य रामचंद्र शुक्ल सभागार, हिन्दी विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के तत्वावधान एवं विभागाध्यक्ष प्रो. वशिष्ठ द्विवेदी के संरक्षकत्व में प्रेमचंद की विशिष्ट कृति 'रंगभूमि' के सौ साल पूर्ण होने के अवसर पर त्रिदिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। संगोष्ठी का दूसरा दिनस संगोष्ठी की संयोजिका डॉ. किंगसन पटेल, सह–संयोजक डॉ. राजकुमार मीणा एवं आयोजन सचिव डॉ. अशोक कुमार ज्योति हैं। द्वितीय अकादमिक सत्र की अध्यक्षता कर रहे आलोचक प्रो. कृष्णमोहन सिंह ने कहा कि अमेरिकी साहित्य चिंतक फ्रेडरिक जेम्सन ने कहा था कि तीसरी दुनिया के देशों में जो उपन्यास लिखे गए उन्हें राष्ट्रीय रूपक के रूप में पढ़ना चाहिए। रंगभूमि की कथा राष्ट्रीय जीवन की कथा है, यह एक बात है, लेकिन रूपक कहने का तात्पर्य है, कुछ तत्त्व ऐसे हैं जो राष्ट्रीय जीवन में छुपे हुए हैं। औपनिवेशीकरण केवल आर्थिक मसला नहीं है, सांस्कृतिक मसला भी हैं।इन्होंने रंगभूमि उपन्यास के पात्र विनय के चरित्र को सकारात्मक अर्थों में स्थापित किया। इस सत्र के विशिष्ट वक्ता हिंदी विभाग के प्रो. सत्यपाल शर्मा ने कहा कि "पूरे औपनिवेशिक भारत का दर्पण है रंगभूमि।" रंगभूमि की कथा औपनिवेशिक ब्रिटिश गुलामी के खिलाफ है, न कि भारत की परतंत्रता के खिलाफ। सूरदास को राष्ट्रीय नायक घोषित करना उचित नहीं है। रंगभूमि उपन्यास भारत के औपनिवेशिक प्रक्रिया के विरोध में खड़ा हुआ उपन्यास है, जिसके पीछे अर्थ की सत्ता मुख्य है। इन्होंने एशिया, अफ्रीका एवं दक्षिण एशिया में औपनिवेशीकरण की प्रक्रिया को स्पष्ट करते हुए औपनिवेशिकरण के फलस्वरूप उदित राष्ट्रवाद के स्वरूप को स्पष्ट किया। प्रेमचंद इस प्रक्रिया से उत्पन्न हुए राष्ट्रवाद के समर्थक हैं। रंगभूमि में जॉनसेवक ब्रिटिश सत्ता की सहायता से भारत की भूमि का, किसानों की भूमि का अधिग्रहण करता है। जाह्नवी भारत माता का प्रतीक है, ऐसा लगता है कि यह प्रेमचंद की पात्र न होकर प्रसाद की पात्र है। प्रेमचंद गांधी से बहुत आगे बढ़ गए थे। सोफिया के चरित्र पर एनिबेसेंट का प्रभाव है। इस संगोष्ठी को अंतरराष्ट्रीय स्वरूप प्रदान कर रहे जापान के ओसाका विश्वविद्यालय के प्रो. वेदप्रकाश सिंह ने बताया कि आजादी के 23 वर्ष पूर्व रंगभूमि उपन्यास लिखा गया। प्रेमचंद, कबीर, तुलसी जैसे महान कालजयी लेखकों के माध्यम से ही विदेशों में हिंदी और हिंदी साहित्य आज भी जीवित है। रंगभूमि में केवल जमीन की लड़ाई नहीं है बल्कि सामंतवाद और पूंजीवाद के गठबंधन के खिलाफ लड़ाई है। उसी दरम्यान आंध्रप्रदेश में किसानों का आंदोलन उठ खड़ा हुआ था जब अंग्रजों ने मवेशियों की चराई पर करारोपण किया। सूरदास भी रंगभूमि में कहता है कि यदि मैं जॉनसेवक को जमीन दे दूंगा तो ये गाय–गोरू कहां चरने जायेंगे। 'देश की बात' पुस्तक में गणेश शंकर चित्त विजय की बात कहते हैं, पूंजीवाद चित्त विजय के माध्यम से काबिज हो रहा है। धर्मांतरण की प्रक्रिया से प्रेमचंद असंतुष्ट थे। सूरदास को गोली लगना, जाह्नवी को गोली लगना इस बात को जाहिर करता है कि साम्राज्यवाद इतना ताकतवर और क्रूर है कि यदि हम संगठित होकर नहीं लड़ेंगे तो इसी तरह मारे जाएंगे। डॉ. विनम्र सिंह सेन ने कहा कि सबसे स्थायी साहित्य देने का काम हिंदी की दुनियां में किसी साहित्यकार ने किया तो वह प्रेमचंद हैं। जिनकी आजीविका का साधन कभी स्थाई नहीं रहा। प्रेमचंद ने सूरदास के माध्यम से भारतीय जनता को नई राजनीतिक एवं आर्थिक चेतना देने का काम किया। सूरदास का संघर्ष स्वतरूस्फूर्त संघर्ष है।"प्रेमचंद गांधीवादी से पहले राष्ट्रवादी हैं।" सूरदास यथार्थ में खिलाड़ी था,हारा तो प्रसन्नचित्त रहा, जीता तो प्रसन्नचित्त रहा। सूरदास की लड़ाई धर्म और व्यापार के बीच की लड़ाई है। जहां धर्म का प्रतीक सूरदास है और व्यापार का प्रतीक है जॉनसेवक। रंगभूमि सांस्कृतिक मूल्यों की स्थापना की कथा है। रंगभूमि धर्म के विजय की कथा है। इलाहबाद विश्वविद्यालय की प्रो. अलका पांडेय कहती हैं कि मुंशी प्रेमचंद कला के प्रति यथर्थवादी होते हुऐ भी संदेश के प्रति आदर्शवादी हैं। प्रेमचंद केवल एक व्यक्ति, एक साहित्यकार ही नहीं बल्कि एक दर्शन हैं, अपने आप में एक पूर्ण संस्था हैं। रंगभूमि का संघर्ष केवल राजनीतिक स्वाधीनता संघर्ष नहीं है। टॉमस हॉर्ब्स ने 'लेवियाथन' में ऑटोमिक ऑफ ब्रिटेन का जिस सिद्धान्त प्रतिपादन किया उसमें उन्होंने सामंतवाद और पूंजीवाद का गठजोड़ दिखाया है, कुछ ऐसा ही गठजोड़ रंगभूमि उपन्यास में भी दिखाया गया है।

इस सत्र का संचालन हिंदी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. राजकुमार मीणा कर रहे थे।

धन्यवाद ज्ञापन महिला महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. हरीश कुमार ने किया।

यूपी में अनुकंपा पर नौकरी को लेकर जारी हुए नए आदेश

लखनऊ,(एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लि. के निदेशक मंडल की बैठक मेंभर्ती नियमावली –1975 मेंसंशोधन कर दिया गया है। इसको लेकर निर्देश दिए गए हैं। यूपी मेंअनुकंपा पर नौकरी को लेकर 5 नए आदेश जारी हुए हैं। आदेशों मेंक्रमशःयूपी मेंसेवारत कर्मी की मृत्यु होने के पांच साल के भीतर योग्यता अर्ह होने पर तृतीय श्रेणी के पदों पर नियुक्ति की जाएगी। मृतक आश्रितों की शैक्षिक योग्यता कम होने पर आउटसोर्सिंग से चतुर्थ श्रेणी के रिक्त पदों पर भर्ती होगी। इसको लेकर निर्देश दिए गए हैं। तृतीय श्रेणी के पद पर निर्धारित योग्यता वाले अभ्यर्थी को वेतन मैट्रिक्स लेवल–5 ग्रेडपे–2600 के तकनीशियन, कार्यकारी सहायक व लेखा लिपिक के पद पर सीधे अनुकंपा भर्ती होगी। सरकारी सेवक की मृत्यु होने पर यदि आश्रित तृतीय श्रेणी की नियुक्ति के लिए योग्य नहीं है तो वह मृत्यु की तिथि से पांच वर्ष की अवधि में वांछित योग्यता प्राप्त कर तकनीशियन, कार्यकारी सहायक व लेखा लिपिक के पद पर नियुक्त हो सकेगा।

संक्षिप्त समाचार

पुरस्कार वितरण से संपन्न हुयी आंचलिक विज्ञान नगरी की 35वीं वर्षगांठ

लखनऊ,(एजेंसी)। राजधानी के अलीगंज स्थित आंचलिक विज्ञान नगरी में प्रतियोगिताओं के पुरस्कार वितरण के साथ 335वीं वर्षगांठ संपन्न हुयी। दिनांक सात सितंबर से इक्कीस सितम्बर तक चले आयोजन में राजधानी के स्कूली बच्चों के लिये अनेक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न प्रतियोगिताओं में करीब एक हजार से अधिक स्कूली बच्चों ने प्रतिभाग किया। विजेजा बच्चों को पुरस्कार, प्रमाण–पत्र, ट्राफी मेडल प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विज्ञान नगरी के परियोजना समन्वयक स्वरूप मंडल ने कहा कि विज्ञान नगरी अपने वैज्ञानिक क्रिया–कलापों एव विभिन्न शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से पिछले 35 वर्षों से बच्चों मे वैज्ञानिक अभिरूचि उत्पन्न कर रहा है। दूर–दराज के इलाकों के लिये विज्ञान नगरी में दो मोबाइल बसें है जो समय–समय पर गांवों और कस्बों में जाकर बच्चों में वैज्ञानिक रूचि उत्पन्न कर रही है। पुरस्कार वितरण के अवसर पर विज्ञान नगरी के शिक्षा अधिकारी राम कुमार ने बताया कि 34वीं वर्षगांठ के अवसर पर क्विज व पोस्टर प्रतियोगिताओं के आयोजन के साथ–साथ आम जन–मानस के लिये टेलीस्कोप के माध्यम से आकाश दर्शन, का कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। साथ ही लोगों ने 3–डी शो, साइमैक्स व यहां की गैलरी में वैज्ञानिक प्रदर्शों को भी देखा। उन्होनें बताया कि 7 सितम्बर 1989 में आंचलिक विज्ञान केन्द्र की स्थापना हुयी थी तथा 21 सितंबर को इसका उच्चीकरण कर इसे आंचलिक विज्ञान नगरी में बदल दिया गया था। आज आंचलिक विज्ञान नगरी राजधानी में प्रमुख आकर्षण का केन्द्र है।

राजकीय हाई स्कूल हलवापुर का हुआ निरीक्षण

लखनऊ,(एजेंसी)। प्राथमिक, जूनियर तथा माध्यमिक स्तर के विद्यालयों में में पठन–पाठन के साथ अन्य शैक्षणिक गतिविधियों के सुचारू रूप से संचालित होते रहने के लिये समय–समय पर उनका स्थलीय व भौतिक सत्यापन किया जाता है। इसी कड़ी में काकोरी लखनऊ स्थित राजकीय हाई स्कूल, हलवापुर का निरीक्षण किया गया। जिला समन्यवक माध्यमिक शिक्षा संतोष मिश्रा ने विद्यालय का पूरा निरीक्षण किया। उन्होने विद्यालय अभिलेखों के साथ कम्प्यूटर, खेल पुस्तकालय आदि का निरीक्षण किया। साथ ही चल रही कक्षाओं में बच्चों से विषय संबंधित प्रश्न पूछे। बच्चों के द्वारा सही जबाब देने पर पढ़ाई के प्रति प्रसन्नता व्यक्त की। वही निरीक्षक संतोष मिश्रा ने विद्यालय के बाहर दीवारों पर लगे कुछ पोस्टरों को हटाने को कहा जिसे प्रधानाचार्या ने तुरन्त हटवा देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर प्रधानाचार्या सुषमा सिंह, खेल अध्यापक वीरेन्द्र कुमार सहित अन्य अध्यापक व अध्यापिकायें उपस्थित थे।

राहुल गांधी का पुतला फूंका, हजरतगंज चौराहे पर भाजपा का प्रदर्शन

लखनऊ,(एजेंसी)। राजधानी लखनऊ में भाजपा नेताओं ने राहुल गांधी का पुतला फूंका। हजरतगंज चौराहे पर भाजपाइयों ने जमकर नारेबाजी की। अमेरिका में आरक्षण को लेकर दिए बयान के खिलाफ गुस्सा जाहिर की। राहुल गांधी के बयान का भाजपा की ओर से लगातार विरोध किया जा रहा है। भाजपा ओबीसी मोर्चा ने प्रदेश कार्यालय से हजरतगंज चौराहे तक पैदल मार्च निकाला, जिसमें मंत्री और यूपी भाजपा ओबीसी मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष नरेंद्र कश्यप भी शामिल थे। प्रदर्शन के दौरान राहुल गांधी के पुतले पर चप्पल की माला पहनाई गई। यूपी सरकार के राज्यमंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि 26 सितंबर को राहुल गांधी के बयान के खिलाफ गाजियाबाद से दिल्ली तक पैदल मार्च निकालेंगे। जिसमें पिछड़ा वर्ग के 10 हजार से ज्यादा लोग शामिल होंगे। भाजपा पिछड़ा वर्ग आयोग के नेता नरेंद्र कश्यप ने राहुल गांधी से माफी की मांग की। उन्होंने कहा कि जब तक राहुल अपने बयान पर माफी नहीं मांगेगे, भाजपा ओबीसी मोर्चा का प्रदर्शन जारी रहेगा। उन्होंने कहा कि राहुल के बयान के खिलाफ 10 हजार समर्थकों के साथ भाजपा पिछड़ा वर्ग गाजियाबाद से दिल्ली तक पैदल मार्च निकालेगा। एक दिन पहले लखनऊ में भाजपा से जुड़े सिख संगठनों ने भी राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया था। सिख नेताओं ने कहा था कि राहुल सिखों के बलिदान को भूल रहे हैं। सिखों के खिलाफ गलत बयान दे रहे हैं।

गैन्ट्री पोल पर चढ़ा युवक, जमकर किया हंगामा

लखनऊ,(एजेंसी)। राजधानी लखनऊ के सिकंदरबाग चौराहे के पास एक युवक पोल पर चढ़ गया। एक घंटे चौराहे पर ड्रामा चलता रहा। इसके दौरान आसपास मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी। मौके से पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने उसे नीचे उतारा गया। घटना शनिवार को दोपहर 1 बजे की है। युवक अपनी मांग को मंगवाने के लिए एडवरटाइजमेंट के पोल पर चढ़कर हंगामा करने लगा। युवक को काफी समझाया गया। इसके बाद फायर ब्रिगेड की क्रेन पहुंची। जिस पर टीम के साथ रेस्क्यू शुरू किया गया। ट्रैफिक पुलिसकर्मी ने चढ़कर नीचे उतार लिया।

बायोमेट्रिक अटेंडेंस को लेकर रार, कर्मचारी 23 सितम्बर से करेंगे आंदोलन

लखनऊ,(एजेंसी)। सचिवालय में बायोमेट्रिक अटेंडेंस को लेकर रार जारी है। बायोमेट्रिक अटेंडेंस को लेकर प्रशासन व कर्मचारी संगठनों में रार बढ़ती ही जा रही है। सचिवालय में बायोमेट्रिक हाजिरी न लगाने पर वेतन काटने के आदेश हुए हैं। वेतन काटने के आदेश सचिवालय प्रशासन ने दिये हैं। इसके विरोध में कर्मचारी संगठनों ने आंदोलन का ऐलान किया है। कर्मचारी संगठनों का कहना है कि वे 23 सितंबर से आंदोलन करेंगे।

उत्तर मध्य रेलवे

टेण्डर संख्या: 230-वि0/क0वि0/प्रयागराज/ई टेण्डर/2024/537 दिनांक: 20.09.2024

ई-निविदा सूचना

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता/क0वि0/उ0म0रे0/प्रयागराज, द्वारा भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से निम्न कार्य हेतु ई निविदा आमंत्रित की जाती है। जिनका विवरण निम्न प्रकार है:-

निविदा सं.: 230 - क0वि0-कार्य ठेका-928-2024 | अनुमानित लागत: ₹ 56,27,189.89

कार्य का विवरण: कानपुर - टूंडला सेक्शन में भाऊपुर-मैथा स्टेशन के बीच एलसी संख्या 88-ए पर 2 आरओबी के निर्माण के कारण 25 केवी ओएचई संशोधन कार्य और प्रयागराज मंडल के दादरी स्टेशन पर रैंप के साथ 6 मीटर चौड़ा एफओबी प्रदान करके पुराने एफओबी को बदलने का कार्य।

बिड सुरक्षा राशि: ₹ 1,12,600.00 | कार्य अवधि: 09 महीना | बोली प्रणाली: एक पैकेट

निविदा बन्द होने की तिथि तथा समय: 14.10.2024, 14.00 बजे

निविदा खुलने की तिथि तथा समय: 14.10.2024, 15.00 बजे

नोट:- (1) उपरोक्त ई-निविदा का पूर्ण विवरण (निविदा प्रपत्र सहित) वेबसाइट www.ireps.gov.in पर निविदा खोलने की तिथि से 21 दिन पहले से उपलब्ध होगा। (2) उपरोक्त निविदा में ई.बिड के अलावा किसी अन्य रूप में बिड स्वीकार नहीं की जायेगी। इस प्रयोजन हेतु वेन्डरों को चाहिए कि वे अपने आपको डिजिटल हस्ताक्षर प्रमाणपत्र के साथ IREPS की वेबसाइट पर पंजीकृत करायें। (3) किसी भी प्रकार की तकनीकी समस्या के समाधान के लिए IREPS की वेबसाइट की हेल्प लाइन से सम्पर्क किया जा सकता है। 1682/24(A)

North central railways | @CPRONCR | www.ncr.indianrailways.gov.in

सम्पादकीय.....

निशाने पर बच्चे

हाल ही के दिनों में बच्चों व महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों को लेकर देशव्यापी चिंता कई मंचों से उजागर हुई है। इन अपराधों के प्रति पुलिस व एजेंसियों की संवेदनहीनता पर अदालतें गाहे–बगाहे सख्त टिप्पणियां कर चुकी हैं। कुछ समय पहले जिला अदालतों के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भी महिलाओं व बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों पर गंभीर चिंता जतायी थी। साथ ही त्वरित न्याय से समाधान की बात कही थी। देश के राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो यानी एनसीआरबी के वे आंकड़े विचलित करते हैं, जिसमें कहा गया था कि साल 2022 में भारत में हर घंटे में औसतन 18 बच्चे अपराधों के शिकार बने। वहीं पिछले एक दशक में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में 75 फीसदी वृद्धि की बात एनसीआरबी ने स्वीकारी है। बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की गंभीरता को इस बात से समझा जा सकता है कि वर्ष 2023 में बीते वर्ष की तुलना में जहां अपराधों में कमी दर्ज की गई, वहीं दूसरी ओर बच्चों के प्रति होने वाले अपराधों में नौ फीसदी की वृद्धि एनसीआरबी के आंकड़ों में दर्ज की गई। यह हमारे नीति–नियंताओं के लिये गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए कि देश में बच्चों के खिलाफ अपराधों में क्यों लगातार वृद्धि हो रही है। विडंबना यह है कि एनसीआरबी केवल उन्हीं अपराध के आंकड़ों का उल्लेख करता है, जो थानों में दर्ज होते हैं। दरअसल, बच्चों के खिलाफ बड़ी संख्या में होने वाले अपराध अक्सर दर्ज ही नहीं होते। कानूनी जानकारी न होने और थानों व कचहरियों के चक्कर काटने से बचने के लिये अभिभावक कई मामलों में रिपोर्ट दर्ज ही नहीं करवाते। कुछ मामलों को पुलिस दर्ज करने से बचती है। ऐसे में बच्चों के खिलाफ होने वाले अपराधों की वास्तविक स्थिति का आकलन करना सहज नहीं होगा। बहरहाल, ये बढ़ते अपराध हमारे समाज में गहरी होती संवेदनहीनता और समाज में नैतिक मूल्यों के पराभव की ओर भी इशारा करती है।दरअसल, बच्चों के खिलाफ अपराध केवल हमारे सामाजिक व्यवस्था में ही नहीं बढ़े, बल्कि इसका दायरा वर्चुअल दुनिया में भी तेजी से बढ़ा है। बच्चों के खिलाफ साइबर अपराधों में खासी तेजी आई है। चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2022 में बच्चों के विरुद्ध पहले साल के मुकाबले बत्तीस फीसदी अधिक साइबर अपराध दर्ज हुए। जो निरंतर गंभीर होती स्थिति को दर्शाते हैं। हाल के दिनों में स्कूल–कालेजों में ऑनलाइन पढ़ाई का दायरा बढ़ने और मोबाइल की सहज उपलब्धता से बच्चों की इस क्षेत्र में सक्रियता बढ़ी है। सस्ते इंटरनेट व मोबाइल फोन ने बच्चों के लिये सोशल मीडिया व गेमिंग की दुनिया में पहुंच आसान बनायी है। लेकिन बच्चे इंटरनेट की आपराधिक दुनिया से अनभिज्ञ हैं। उन्हें इन खतरों से बचाव का प्रशिक्षण न तो स्कूल में दिया जाता है और न ही पुरानी पीढ़ी के अभिभावक दे पाए। जिसके चलते ही वे साइबर अपराधियों का आसान शिकार बनते हैं। दरअसल, कोरोना महामारी तो चली गई, लेकिन इस संकट के चलते उपजी परिस्थितियों ने बच्चों के ऑनलाइन रहने का टाइम बढ़ा दिया है। अभिभावक यदि बच्चों को अधिक मोबाइल के इस्तेमाल पर टोकते हैं तो वे स्कूल के काम का तर्क देकर गेमिंग व सोशल मीडिया की गतिविधियों में लिप्त रहते हैं। यह समय का बड़ा संकट है कि बच्चे न तो अभिभावकों से संस्कार पा रहे हैं और न ही शिक्षकों से। उन्हें मोबाइल पर संस्कार वे अनाम व अज्ञात कंपनियां दे रही हैं, जिनके लिये बच्चे महज उपभोक्ता और पैसा कमाने का जरिया हैं। आज इंटरनेट के खुले और छिपे स्वरूप पर अपराधों की एक ऐसी समांतर दुनिया संचालित है, जिन्हें दुनिया की ताकतवर सरकारें भी नियंत्रित नहीं कर पा रही हैं। दरअसल, अधिकांश बच्चे इस चुनौती के मुकाबले के लिये डिजिटली साक्षर नहीं हो पाए हैं। इसके लिये साइबर कानून को अधिक सशक्त व प्रभावी बनाने की जरूरत है। ताकि बच्चों के खिलाफ अपराध, धोखाधड़ी व साइबर बुलिंग करने वाले अपराधियों पर शिकंजा कसा जा सके। निश्चित रूप से आज देश के सत्ताधीशों को साइबर अपराधों से बच्चों व महिलाओं को सुरक्षित बनाने के लिये कानूनों को प्रभावी ढंग से लागू करना होगा।

आरक्षण भीतर आरक्षण सही या गलत?

संजीव खुदशाह

> *आज यह बहस राष्ट्रीदय पटल पर हो रही है। अगड़े दलित उनको माना जाता है जो आजादी के बाद से लगातार नौकरीपेशा में आ रहे हैं और इस जाति के काफी मात्रा में लोग आरक्षण का लाभ लेकर उच्च पदों तक पहुंचे हैं समृद्धशाली हुए हैं।*

1अगस्त 2024 को आरक्षण पर सुप्रीम कोर्ट के सात सदस्यीय पीठ के द्वारा देविन्दर सिंह विरूध पंजाब के बारे में फैसला आने के बाद अगड़ा दलित और पिछड़ा दलित के बीच द्वंद छिड़ गया है। दोनों ओर से अपने–अपने तर्क दिये जा रहे है। आज यह बहस राष्ट्रीदय पटल पर हो रही है। अगड़े दलित उनको माना जाता है जो आजादी के बाद से लगातार नौकरीपेशा में आ रहे हैं और इस जाति के काफी मात्रा में लोग आरक्षण का लाभ लेकर उच्च पदों तक पहुंचे हैं समृद्धशाली हुए हैं। जैसे जाटव, महार, अहिरवार, सतनामी आदि आदि। वहीं दूसरी ओर पिछड़े दलित उन्हें माना जाता है जिन्हें परिस्थितिवश या उनके अति पिछड़ापन होने के कारण आरक्षण का लाभ उस तरह से नहीं मिल पाया जिस तरह से अगड़े दलितों को मिला है। जैसे वाल्मीकि, लालबेगी, मेहतर, डोमार, बंसोर, चुहड़ा, घसिया, देवार आदि आदि। इनमें प्रतिनिधित्व का बंटवारा बेहद असमान है। सफाई कामगारों में भी लाभ लेने में वाल्मीकि जाति सबसे आगे है। यहां यह बताना जरूरी है कि याचिकाकर्ता डॉक्टर ओपी शुक्ला जो कि दलित समाज से आते हैं, उनका कहना है कि आजादी के बाद से सफाई कामगार समाज का शोषण हुआ है। उनका प्रतिनिधित्व कहां गया? आखिर किसने उनका प्रतिनिधित्व खाया है? यह बता दें। वह कहते हैं कि मैंने सुप्रीम कोर्ट में याचिका इसीलिए डाली ताकि संविधान के अनुसार जो सबसे अंतिम व्यक्ति है। उसे इसका फायदा मिल सके। बहुत सारी ऐसी जातियां आज भी हैं जिन्हें सरकारी नौकरियों में प्रतिनिधित्व नहीं मिला है। इस फैसले से दक्षिण भारत में खुशी का माहौल है तो उत्तर भारत में द्वंद छिड़ा है। अगड़े दलित कहते हैं कि यह फैसला विधिसम्मत नहीं है। यह फूट डालो राज करो जैसा है। इस फैसले से दलितों में दो फाड़ हो जायेगा, वैमनस्य बढ़ेगा। वे कहते है कि उन्होंने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा बहुत पहले छोड़ दिया था। लेकिन पिछड़े दलित जाति के लोगों ने अपना गंदा पुश्तैनी पेशा नहीं छोड़ा। जबकि डॉ अंबेडकर ने 1930 में यह आह्वान किया था कि अछूत अपना गंदा पेशा छोड़ दें। पिछड़े दलित जातियों में बहुत बड़ी संख्या सफाई कामगार जातियों की है। यह सत्य है कि इन्होंने अपना पुश्तैनी गंदा पेशा नहीं छोड़ा। इसके कारण इनमें उत्थान नहीं हो पाया। यह थोड़ा बहुत जागरूक हुई तो भी इन्होंने उस गंदे पेशे में अधिक वेतन और सुविधा की मांग करने लगे। कई जगह ऐसा भी देखने मिला कि वे इन पेशों में 100 प्रतिशत आरक्षण की मांग करने लगे। ऐसे भी उदाहरण हैं जबकि इन पिछड़े दलित जातियों के कुछ लोगों ने अपने गंदे पेशे को छोड़कर अच्छे पेशे को अपनाया और वह आगे तरक्की कर गये। माननीय सुप्रीम कोर्ट की सराहनीय पहल– हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने अनुसूचित जाति–जनजाति में क्रीमीलेयर की बात की थी जिसे माननीय प्रधानमंत्री ने लागू नहीं होगा– कहकर इस पर विराम लगा दिया, जो सही भी था। लेकिन सुप्रीम कोर्ट के दूसरे निर्देश जिसमें यह कहा गया कि पीछे रह गई जातियों में अलग से आरक्षण का बंटवारा भी किया जाएगा। यह सुप्रीम कोर्ट का एक सराहनीय पहल है। आखिर अतिपिछड़े दलित और आदिवासी को अलग से आरक्षण मिलेगा तो इससे किसे आपत्ति होगी? यह प्रश्न खड़ा होता है कि आजादी के 75 साल बाद भी दलित आदिवासी इतने पिछड़े क्यों हैं? आखिर इनमें विकास और उत्थान क्यों नहीं हो रहा है? आखिर क्या कमी रह गई? गंदे पेशे से छुटकारा दिलाने के लिए प्रयास किया जाना चाहिए था। क्योंकि एक मानव के द्वारा अपमानजनक पेशे का किया जाना पूरे भारतवर्ष के लिए शर्म की बात है और संविधान के भी विरुद्ध है। चाहिए था कि जल्द से जल्द इन पेशे में लगे लोगों को हटाया जाए और मानव की जगह मशीन का उपयोग किया जाए। साथ–साथ इनका पुनर्वास किया जाना चाहिए। माननीय सुप्रीम कोर्ट से यह अपेक्षा थी कि अजा अजजा में जो आरक्षण दिया जाता है वह आरक्षण बहुत मात्रा में नॉट फाउंड सूटेबल कहकर जनरल पोस्ट भर दिए जाते हैं। कई कई साल तक बैकलॉग की भर्तियां नहीं निकाली जाती हैं। निर्देश दिया जाना चाहिए था कि बैकलॉग की भर्तियां तुरंत करें और नॉट फाउंड सूटेबल को सामान्य में समायोजित न करके अगली भर्ती में उसकी वैकेंसी फिर से उसी केटेगरी में निकाली जाए। जाहिर है पिछड़े दलितों आदिवासियों को मुख्यधारा में लाने के लिए हमें बहुत सारे कदम उठाने पड़ेगें सिर्फ आरक्षण से काम नहीं चलेगा। तभी हमारे देश में कोई पीछे नहीं रह जायेगा। न ही किसी को अपने विकास के लिए गुहार लगाने की जरूरत पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट के इस पहल का स्वागत किया जाना चाहिए।

खेती को खोखला कर देंगी, जीएम फसलें

भारत डोगरा

जेनेटिकली मोडीफाईड फसलें (जीएम) एक बड़े विवाद का विषय रही हैं। हाल ही में मैक्सिको की सरकार ने अपनी सबसे महत्वपूर्ण फसल मक्का को जीएमश से बचाने के लिए एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार की है। मैक्सिको पर पड़ोसी देश अमेरिका व वहां की कंपनियों का दबाव था कि वह श्जीएमश मक्का अपनाए, पर मैक्सिको की सरकार ने स्पष्ट कहा कि वह अपने देश की खाद्य–सुरक्षा की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इससे पहले फिलीपींस में वैज्ञानिकों, किसानों व कार्यकर्ताओं ने अदालत में श्जीएमश फसलों के विरुद्ध मुकदमा लड़ा था और उन्हें अदालत से जीएम फसलों पर रोक का महत्वपूर्ण निर्णय भी प्राप्त हुआ था।इन दिनों भारत की खेती–किसानी कई स्तरों पर संकट के दौर से गुजर रही है। हालांकि इसके संतोषजनक समाधान भी कई स्तरों पर उपलब्ध हैं, पर इन समाधानों की ओर बढ़ने की बजाय कुछ सीमित स्वार्थों की ओर से ऐसे सुझाव दिए जा रहे हैं जिनसे यह संकट निश्चित तौर पर और उग्र होगा व असहनीय हद तक बढ़ सकता है। ऐसा ही एक सुझाव है जीएम फसलों का प्रसार, जिससे बहुराष्ट्रीय कंपनियों के बहुत शक्तिशाली तत्व जुड़े हैं। जेनेटिक इंजीनियरिंग से बनने वाली जीएम फसलों में किसी भी पौधे या जन्तु के जीन या आनुवांशिक गुण का प्रवेश किसी अन्य पौधे या जीव में करवाया जाता है, जैसे – आलू के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या सुअर के जीन का प्रवेश टमाटर में करवाना या मछली के जीन का प्रवेश सोयाबीन में करवाना या मनुष्य के जीन का प्रवेश सुअर में करवाना आदि। यह कार्य जीन–बंदूक से पौधे की कोशिका पर बाहरी श्जीनश दागकर किया जाता है या किसी बैक्टीरिया में बाहरी जीन का प्रवेश करवाकर उससे पौधे की कोशिका का संक्रमण किया जाता है। जेनेटिक इंजीनियरिंग की तकनीक देश–विदेश में विवादग्रस्त क्यों बनी हुई है? जीएम फसलों के विरोध का एक मुख्य आधार रहा है कि ये फसलें स्वास्थ्य व पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित नहीं हैं तथा उनका असर जेनेटिक–प्रदूषण के माध्यम से अन्य गैर–जीएम फसलों व पौधों में फैल सकता है। इस विचार को इंडिपेंडेंट साईंस पैनल ने बहुत सारगर्भित ढंग से व्यक्त किया है। इस पैनल में एकत्र हुए विश्व के अनेक देशों के प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों व विशेषज्ञों ने जीएम फसलों पर एक महत्वपूर्ण दस्तावेज तैयार किया जिसमें उन्होंने कहा कि–जीएम फसलों के बारे में जिन लाभों का वायदा किया गया था, वे प्राप्त नहीं हुए हैं, बल्कि ये फसलें खेतों में बढ़ती समस्याएं पैदा कर रही हैं। इस बारे में व्यापक सहमति है कि इन फसलों का प्रसार होने पर ट्रान्सजेनिक–प्रदूषण से बचा नहीं जा सकता है। जाहिर है, जीएम व गैर–जीएम फसलों का सह–अस्तित्व नहीं हो सकता। सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जीएम फसलों की सुरक्षा प्रमाणित नहीं हो सकी है। इसके विपरीत पर्याप्त प्रमाण हैं जिनसे इन फसलों से सुरक्षा पर गंभीर चिंताएं उत्पन्न होती हैं। यदि इनकी उपेक्षा की गई तो स्वास्थ्य व पर्यावरण की क्षति होगी जिसकी पूर्ति नहीं हो सकती, जिसे फिर ठीक नहीं किया जा सकता। श्जीएमश फसलों को अब दृढ़ता से खारिज कर देना चाहिए। वैज्ञानिकों ने इन फसलों से जुड़े खतरे का सबसे महत्वपूर्ण पक्ष बताया है कि जो खतरे पर्यावरण में फैलेंगे उन पर हमारा नियंत्रण नहीं रह जाएगा। गंभीर दुष्परिणाम आने पर भी हम इनकी क्षतिपूर्ति नहीं कर पाएंगे। जेनेटिक–प्रदूषण का मूल चरित्र ही ऐसा है। वायु–प्रदूषण व जल–प्रदूषण की गंभीरता का पता लगाकर उन्हें नियंत्रित किया जा सकता है, पर जेनेटिक–प्रदूषण, पर्यावरण में पहुंचने के बाद हमारे नियंत्रण से बाहर हो जाता है। ऐसे अनेक उदाहरण हैं जहां प्रतिष्ठित वैज्ञानिकों को केवल इस कारण परेशान किया गया क्योंकि उनके अनुसंधान से जीएम फसलों के खतरे पता चलने लगे थे। इन कुप्रयासों के बावजूद निष्ठावान वैज्ञानिकों के अथक प्रयासों से जीएम फसलों के गंभीर खतरों को उजागर करने वाले दर्जनों अध्ययन उपलब्ध हैं। जैफरी एम. स्मिथ की पुस्तक जेनेटिक रुले के 300 से अधिक पृष्ठों में ऐसे दर्जनों अध्ययनों का सार–संक्षेप या परिचय उपलब्ध है। इनमें चूहों पर हुए अनुसंधानों में पेट, लिवर, आंतों जैसे विभिन्न महत्वपूर्ण अंगों के बुरी तरह क्षतिग्रस्त होने की चर्चा है। जीएम उत्पाद खाने वाले पशु–पक्षियों के मरने या बीमार होने की चर्चा है व जेनेटिक–उत्पादों से मनुष्यों में भी गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का वर्णन है। सन् 2009–10 में भारत में बीटी बैंगन के संदर्भ में श्जीएमश के विवाद ने जोर पकड़ा तो विश्व के 17 विख्यात वैज्ञानिकों ने भारत के प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर इस बारे में नवीनतम जानकारी उपलब्ध करवाई। पत्र में कहा गया कि जीएम प्रक्रिया से गुजरने वाले पौधे का जैव–रसायन बुरी तरह अस्त–व्यस्त हो जाता है जिससे उसमें नए विषैले या एलर्जी उत्पन्न करने वाले तत्वों का प्रवेश हो सकता है व उसके पोषक गुण कम या बदल सकते हैं। जीव–जंतुओं को श्जीएमश खाद्य खिलाने पर आधारित अनेक अध्ययनों से गुर्दे (किडनी), यकृत(लिवर) पेट व निकट के अंगों (गट), रक्त–कोशिका, रक्त जैव–रसायन व प्रतिरोधक क्षमता (इम्यून सिस्टम) पर नकारात्मक असर सामने आ चुके हैं। इन वैज्ञानिकों ने बताया कि जिन जीव–जंतुओं को बीटी मक्का खिलाया गया उनमें प्रत्यक्ष विषैलेपन का प्रभाव देखा गया। बीटी मक्के पर मानसैंटो कंपनी के अनुसंधान का जब पुनर्मूल्यांकन हुआ तो अल्प–कालीन अध्ययन में भी नकारात्मक स्वास्थ्य परिणाम दिखाई दिए। बीटी के विषैलेपन से एलर्जी के रिएक्शन का खतरा जुड़ा हुआ है। बीटी बैंगन खिलाने के अध्ययनों पर महको–मानसेंटो ने जो दस्तावेज तैयार किया उससे जीव–जंतुओं पर, विशेषकर चूहे, खरगोश व बकरी के लिवर, किडनी, खून व पैंक्रियास पर नकारात्मक परिणाम नजर आते हैं।

मेष :– क्रोध व शंकाए छोड़ संबंधों में प्यार विखेरें। कार्य क्षेत्र में व्यस्तता बढ़ेगी। क्षमता से अधिक व्यय भविष्य के लिए चिन्ता उत्पन्न करेगी। किसी नए कार्य में मन केन्द्रित होगा। सुख–साधनों की लालसा बढ़ेगी।

वृष :– भौतिक आकांक्षाएं बलवती होंगी। राजनीतिज्ञों के लिए राजनीतिक क्षेत्र में व्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। परिजनों से किसी प्रकार की शिकायत पर खुलकर बात करें। खराब संगत से दूरी बनाएं।

मिथुन :– महत्वपूर्ण घरेलू दायित्वों के प्रति मन केन्द्रित होगा। अत्यधिक कायरे की ब्यस्तता से मन परेशान होगा। पारम्परिक कायरे में व्यस्तता बढ़ेगी। जीवन साथी से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा।

कर्क :– जीविका क्षेत्र में नए आयाम आपको उत्साहित करेंगे। पुरानी समस्याओं को हलकर सुख की अनुभूति करेंगे। आकस्मिक नई आशंकाओं से प्रभावित मन कोई गलत निर्णय ले सकता है।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी की ब्यस्तता से मन बोझिल होगा। निराशा त्याग मन को आशावादी बिचारों से सिंचित करें। महत्वपूर्ण क्षेत्र में संबंधों का सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाऐंगे।

कन्या :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक हो सकता है। लेकिन प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी। परिवार में कोई सुखद माहौल बनेगा।

तुला :– हर वक्त अपने को लाचार बनाए रखना अच्छी बात नहीं, समय का सदोपयोग करें और स्वयं को सकारात्मक दिशा दें। पुरानी घटनाओं के स्मरण से मन को कष्ट संभव। मन आर्थिक सुदृढ़ता हेतु चिंतित।

वृश्चिक :– शासन–सत्ता के सहयोग से कार्य क्षेत्र के अवरोध समाप्त होंगे। कार्य क्षेत्र में लोकप्रियता व वर्चस्व बढ़ेगा। प्रयत्न की सार्थकता उच्छृंखलता व व्यग्रता क्षेत्रों में एकाग्रता का अभाव पैदा करेगा।

धनु :– कोई नई योजना उत्साहित करेगी। भौतिक जगत के चकाचौंध आप प्रभावित होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में सफलता के आसार बढ़ेगे। अच्छे व्यवहारकुशलता से सामाजिक मान–मर्यादा में वृद्धि होगी।

मकर :– कुछ बालसुलभता व असंयमित शब्दों का प्रयोग संबंधों में कटुता ला सकता है। नैतिक जिम्मेदारियों में सजगता काबिले तारीफ होगी। पूर्वाग्रह वश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मकता को न पालें।

कुंभ :– ''खाली मन शैतान का घर'' अपने दिनचर्या को सुधारें। संतान संबंधी दायित्वों के प्रति मन चिंतित होगा।

बिहार का सुशासन और दलितों पर अत्याचार

एजेन्सी

> *जिसमें घटना का मास्टरमाइंड बताया जा रहा नंदू पासवान भी शामिल है। खबरों के मुताबिक 2014 में बिहार पुलिस से रिटायर हुआ नंदू पासवान इस इलाके का भू माफिया है और आगजनी की यह घटना 1995 से ही चले आ रहे एक भूमि विवाद से जुड़ी हुई है।*

दिल्ली के हुक्म के खिलाफ श्रीनगर ऊधमपुर की बगावतसर्वोच्च न्यायालय को बधाई चुनावी बांड रद्द करने के आदेश से लोकतंत्र मजबूत हुआ बिहार में कानून व्यवस्था की धज्जियां किस कदर उड़ चुकी हैं, इसका प्रमाण बुधवार को एक बार फिर सामने आया। नवादा जिले के ददौर गांव की कृष्णानगर नाम की एक दलित बस्ती में दबंगों ने कई राउंड फायरिंग करने के बाद आग लगा दी, जिसमें करीब 80 घर जलकर खाक हो गए। कई जानवरों के मरने की सूचना है, लेकिन किसी इंसान की जान को हानि नहीं पहुंची है, क्योंकि इस हमले की आशंका से लोग पहले ही अपने घरों को छोड़कर चले गए थे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अब किस तरह अपने सुशासन का दावा कर सकेंगे, ये तो कहा नहीं जा सकता। फिलहाल वे यही कह सकते हैं कि इस मामले के बाद अब तक 15 लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है, जिसमें घटना का मास्टरमाइंड बताया जा रहा नंदू पासवान भी शामिल है। खबरों के मुताबिक 2014 में बिहार पुलिस से रिटायर हुआ नंदू पासवान इस इलाके का भू माफिया है और आगजनी की यह घटना 1995 से ही चले आ रहे एक भूमि विवाद से जुड़ी हुई है। कारण जो भी रहा हो, लेकिन असली सवाल यह है कि क्या कोई सेवानिवृत्त शासकीय कर्मचारी, पुलिसकर्मी या सामान्य नागरिक इस कदर दुस्साहस कर सकता है कि उसके कहने पर एक गांव लगभग पूरा जला दिया जाए। यह वारदात साफ इशारा करती है कि बिहार में सरकार का इकबाल पूरी तरह खत्म हो चुका है। सरकार की पुलिस प्रशासन पर पकड़ कमजोर है और कानून–व्यवस्था गर्त में जा चुकी है। अभी बहुत पुरानी बात नहीं है, इसी साल मई माह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जे पी नड्डा ने चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा शासन और खासकर नरेन्द्र मोदी के शासन को लेकर लंबे–चौड़े दावे किए थे। श्री नड्डा ने कहा था नरेंद्र मोदी के 10 साल सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण के रहे। एक तरफ सेवा है, सुशासन है, गरीब कल्याण है, तो दूसरी तरफ राजद–कांग्रेस के शासन की लूट, कुशासन और उनके परिवार का कल्याण था। दोनों में तय आपको करना है। श्री नड्डा लोकसभा के लिए जनता का वोट मांग रहे थे, लेकिन जिस तरह उन्होंने राजद और कांग्रेस के शासन को कोसा, उससे जाहिर है कि वे नीतीश कुमार के इंडिया गठबंधन को छोड़कर एनडीए में साथ आने को सही ठहरा रहे थे। नीतीश कुमार ने भी मन न लगने को कारण बताते हुए ही राजद और कांग्रेस से किनारा करके फिर से भाजपा से दोस्ती की और राज्य की सत्ता में भाजपा को दोबारा आने का मौका दिया था। अब उसका नतीजा सामने है कि जिस सुशासन के दावे नीतीश कुमार को लेकर किए जाते रहे, उसकी हकीकत क्या है। अब तक कई पुलों का गिरना ही काफी नहीं था कि एक बार फिर जातीय हिंसा की भयावह याद ताजा कराती नवादा की घटना घटी है। पाठक जानते हैं कि इसी बिहार में 27 मई 1977 को मात्र एक कट्ठा जमीन के विवाद पर 11 लोगों की नृशंस हत्या कर दी गई थी, जिनमें आठ दलित और तीन सोनार जाति के लोग थे। मरने वालों में एक 12 बरस का विक्षिप्त बच्चा भी था। तब मोरारजी देसाई प्रधानमंत्री थे और इंदिरा गांधी आपातकाल के बाद चुनाव हार गई थीं, लेकिन फिर भी वे बेलछी तक गईं और भारी बारिश के कारण चलना मुश्किल हुआ तो हाथी पर बैठ कर गईं। इसके बाद कांग्रेस में किस तरह नयी जान पड़ गई, ये अलग इतिहास है। बहरहाल, बेलछी हत्याकांड से केंद्र की जनता दल सरकार बुरी तरह घिर गई थी, तत्कालीन गृहमंत्री चौधरी चरण सिंह ने इस हत्याकांड में जाति के एंगल को नकारा, तो यह दांव उन्हीं पर उल्टा पड़ गया। हालात संभालने के लिए सरकार ने आठ सदस्यीय सांसदों की फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का गठन किया, जिसमें एक सदस्य रामविलास पासवान भी थे। अब इतिहास फिर से उसी मोड़ पर जा पहुंचा है, जहां केंद्र में भाजपा की सरकार है और चौधरी चरण सिंह के पोते जयंत सिंह भाजपा के साथ हैं, वहीं रामविलास पासवान के बेटे चिराग पासवान भी एनडीए के साथी हैं। चिराग पासवान ने इस घटना की निंदा तो की है, लेकिन फिलहाल जिस तरह भाजपा और एनडीए के बाकी दलों के दलित, वंचित विरोधी चेहरे सामने आए हैं, उसमें निंदा करना पर्याप्त नहीं होगा। एनडीए के एक और साथी जीतनराम मांझी इस घटना के पीछे यादव समाज का हाथ बता रहे हैं और लालू प्रसाद को चुनौती दे रहे हैं। लेकिन सच तो ये है कि नवादा आगजनी कांड से न केवल नीतीश कुमार बल्कि समूची एनडीए फंस चुकी है। तेजस्वी यादव ने इस घटना के बाद सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर महा जंगलराज! महा दानवराज! महा राक्षसराज! कहकर नीतीश कुमार को घेरा है, तो वहीं बसपा सुप्रीमो मायावती ने भी इस घटना की निंदा की है।

जबकि आजकर मायावती काफी चुनिंदा तरीके से ही भाजपा के शासन पर यदा–कदा उंगली उठाती हैं। कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने फिर से वंचितों के न्याय पर सवाल उठाते हुए लिखा है कि भाजपा और एनडीए के सहयोगी दलों के नेतृत्व में ऐसे अराजक तत्व शरण पाते हैं–भारत के बहुजनों को डराते हैं, दबाते हैं, ताकि वो अपने सामाजिक और संवैधानिक अधिकार भी न मांग पाएं। और, प्रधानमंत्री का मौन इस बड़े षड़यंत्र पर स्वीकृति की मोहर है। प्रधानमंत्री मोदी मणिपुर नहीं गए, यह बात जगजाहिर है, लेकिन अब नवादा पर भी अगर वे चुप रहे तो फिर राहुल गांधी के आरोपों को बल मिल जाएगा। वैसे भी राहुल गांधी की कही बहुत सी बातें आगे जाकर सच ही साबित हुई हैं। फिलहाल इस घटना के पीड़ितों को त्वरित इंसाफ मिले, यह सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए और आगे ऐसी घटना न घटे, यह उसकी जिम्मेदारी है। लेकिन नीतीश कुमार और नरेन्द्र मोदी दोनों अपनी जिम्मेदारियों से चूक रहे हैं।

कंगना रनौत

विवादों का अंतहीन सिलसिला

फिल्मों में विषयों की कमी नहीं है। हर साल सैकड़ों हिंदी फिल्में बनती और रिलीज होती हैं। कुछ विषय दर्शकों की पसंद पर खरे उतरते हैं, कुछ ऐसे विषय होते हैं, जिन्हें दर्शक नकार देते हैं। इन्हीं विषयों ने एक है राजनीतिकों पर फिल्में। सामान्यतः राजनीतिक किरदारों को लोग परदे पर देखना कम ही पसंद करते हैं। यही वजह है कि इन किरदारों पर बनी ज्यादातर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर सफल नहीं हुई। कुछ ऐसे भी किरदार हैं, जिन्हें केंद्रित करके जब भी कोई फिल्म बनी, विवादों में ज्यादा फंसी। इन्हीं में से एक हैं इंदिरा गांधी। लंबे अरसे तक देश की राजनीति के केंद्र में रहीं इंदिरा गांधी को उनके आपातकाल लागू करने के फैसले की वजह से विवादों में लाया जाता रहा है। इसका नतीजा यह है कि जब भी इंदिरा गांधी को केंद्र में रखकर कोई फिल्म बनी, उसके सामने उलझन जरूर आई। आपातकाल पर बनी पहली फिल्म थी 'किस्सा कुर्सी का' जिसे लेकर लंबा विवाद हुआ। उसके बाद जिस फिल्म में इंदिरा गांधी की कोई भूमिका नजर आई वही फिल्मकार के लिए अड़चन बनी। अब अभिनेत्री कंगना रनौत की फिल्म 'इमरजेंसी' भी इसी फेहरिस्त में शामिल हो गई। 'इमरजेंसी' पूरी तरह से इंदिरा गांधी के एक फैसले को ध्यान में रखकर बनाई गई है। इसमें कंगना रनौत ने इंदिरा गांधी का किरदार निभाया। वे खुद इस फिल्म की निर्माता भी हैं। शुरू से ही इस बात की आशंका थी, कि यह फिल्म विवाद का कारण बनेगी, वही हुआ भी। फिल्म में 1975 के दौर की कहानी बताई गई, जब देश में आपातकाल लगाया गया था। तब देश में यह सब क्यों हुआ और तत्कालीन सरकार ने यह फैसला किस मजबूरी में लिया– यह विवाद का अलग विषय है, पर 'इमरजेंसी' का ट्रेलर रिलीज होने के बाद से ही फिल्म को लेकर विरोध शुरू हो गया। मामला इतना बढ़ा कि अदालत तक पहुंच गया और सेंसर बोर्ड ने भी फिल्म की रिलीज को रोक दिया। 'इमरजेंसी' के विरोध का कारण एक समाज विशेष है, जिनका कहना है कि फिल्म में उनकी भूमिका को गलत ढंग से पेश किया गया। उनके मुताबिक, फिल्म में वास्तविकता नहीं दिखाई गई और उन्हें नकारात्मक रूप में दर्शाया। लेकिन, अभी फिल्म रिलीज नहीं हुई, तो कहा नहीं जा सकता कि फिल्म की स्क्रिप्ट में वास्तव में क्या दिखाया गया। लेकिन, यह तय है कि इंदिरा गांधी पर बनी ये फिल्म भी पहले आई फिल्मों से अलग नहीं रही।

सिर्फ चाल–ढाल की वजह से 'आंधी' उलझी

अमृतलाल नाहटा की 'किस्सा कुर्सी का' से लेकर गुलजार की 'आंधी' तक में दर्शकों ने इंदिरा गांधी को परदे पर देखा। इसके अलावा भी फिल्में बनी, जिनमें इंदिरा गांधी दिखाई दी। किंतु, ज्यादातर फिल्में विवादों से बची नहीं रही। आश्चर्य की बात तो यह कि आपातकाल से पूर्व 13 फरवरी 1975 को आई गुलजार की फिल्म 'आंधी' ने सबसे पहले राजनीतिक जगत में तूफान मचाया था। फिल्म में सुचित्रा सेन ने आरती नाम की एक नेता का किरदार निभाया था जिसका पहनावा और चाल–ढाल इंदिरा गांधी जैसी थी, और हेयर स्टाइल भी वैसा ही था। उनके बोलने का अंदाज भी इंदिरा गांधी जैसा दिखाने की कोशिश की गई थी। दक्षिण भारत में एक पोस्टर में तो यहां तक लिख दिया था 'अपनी प्रधानमंत्री को परदे पर देखो।' उसके बाद ही फिल्म का विरोध शुरू हुआ और इस पर प्रतिबंध लगा दिया। जबकि, इस फिल्म का इंदिरा गांधी से कोई संबंध नहीं था। इसके बाद तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री इंद्र कुमार गुजराल ने इस फिल्म को हरी झंडी दे दी और फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफल हुई।

फिल्म के खिलाफ इसलिए उठी आवाज

इंदिरा गांधी के आपातकाल वाले फैसले की दशकों से अलग–अलग तरह से व्याख्या होती रही है। यही वजह है कि फिल्म रिलीज से पहले विवादों में आई। हाल ही में फिल्म का ट्रेलर रिलीज हुआ। इसके सामने आने के बाद से ही फिल्म मुश्किल में आ गई। ट्रेलर देखने के बाद से ही एक धार्मिक समुदाय ने फिल्म को लेकर विरोध शुरू किया। उनके संगठन ने फिल्म की फिर से समीक्षा करने की अपील की। यह भी कहा गया कि उनके समुदाय को बदनाम नहीं किया जाना चाहिए। ट्रेलर सामने आने के बाद विरोध का कारण यह है कि इसमें एक चरित्र विवादास्पद संवाद बोलता है। जिसे लेकर पंजाब में विरोध की आवाजें उठी। इस फिल्म में जो दिखाया गया उससे उनकी भावनाओं को कथित ठेस पहुंची है। फिल्म पर बैन लगाने के साथ यह भी कहा गया कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि उस समुदाय विशेष विरोधी भावनाओं वाली कोई भी फिल्म भविष्य में रिलीज न हो।

जिन फिल्मों को लेकर विरोध हुआ

इंदिरा गांधी सरकार के आपातकाल के फैसले पर 'किस्सा कुर्सी का' बनी थी। फिल्म का डायरेक्शन अमृत नाहटा ने किया था और भगवंत देशपांडे, विजय कश्मीरी और बाबा मजगांवकर प्रोड्यूसर थे। कहा जाता है कि इस फिल्म से संजय गांधी इतना नाराज हुए थे कि फिल्म की ओरिजनल और बाकी सारे प्रिंट्स तक जलवा दिए गए। इस वजह से संजय गांधी पर 11 महीने तक केस चला। फिर 27 फरवरी 1979 को कोर्ट का फैसला आया ।

जींस-टॉप से मोनोकिनी तक, शमा सिकंदर की इन तस्वीरों में है हॉटनेस अनलिमिटेड

शमा सिकंदर का इंस्टाग्राम बोल्ड फोटोज से भरा पड़ा है और वो अक्सर अपनी हॉटनेस से फैंस की हार्ट बीट को बढ़ाती नजर..

अवनीत कौर ने ब्लैक कटआउट ड्रेस में दिए किलर पोज, देखें सिजलिंग लुक

अवनीत कौर ब्लैक कलर की कटआउट डिटेल्स वाली ड्रेस में बेहद सिजलिंग पोज देती नजर आ...

टीवी के पॉपुलर सीरियल कुमकुम भाग्य की एक्ट्रेस सिमरन बुधरूप हाल ही में बप्पा के दर्शन करने लालबाग चा राजा पंडाल पहुंची थीं, जहां उन्हें बदसलूकी का सामना करना पड़ा। एक्ट्रेस ने इसका एक वीडियो अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। उन्होंने लिखा कि पंडाल में बप्पा के दर्शन का अनुभव काफी निराशाजनक रहा। मैं अपनी मां के साथ बप्पा का आशीर्वाद लेने के लिए लालबाग चा राजा गईं, जहां कर्मचारियों का बर्ताव काफी खराब रहा। सिमरन ने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें धक्कामुक्की साफ तौर से देखी जा सकती है। एक्ट्रेस सिमरन बुधरूप से बदतमीजी दैनिक भास्कर से बात करते हुए एक्ट्रेस सिमरन बुधरूप ने बताया कि 12 सितंबर को मैं अपने साथी एक्टर्स (मोहित, मायरा और अक्षय) और अपनी मां के साथ लालबाग चा राजा गईं। मेरी मां फोटो खींच रही थीं तो वहां एक बाउंसर ने उनका फोन छीन लिया। जब मां ने अपना फोन वापस लेने की कोशिश की तो उन्हें धक्का मारा गया। मैंने बीच बचाव किया तो उन लोगों ने मेरे साथ भी बदसलूकी की। जब मैंने ये पूरा इंसीडेंट रिकॉर्ड करने की कोशिश की तो उन्होंने मेरा भी फोन छीन लिया और कहने लगे की तेरी मां कोई स्पेशल नहीं है। हालांकि, जब उन्हें पता चला कि मैं एक्ट्रेस हूं। और उनकी ये हरकत मीडियो में आ सकती है तो वे पीछे हट गए। इंसीडेंट के बाद मैं बहुत रोई थी– सिमरन एक्ट्रेस ने बताया कि भगवान की दया से मुझे या मेरी मां को कोई चोट नहीं आई।

बड़े स्टार महंगी फिल्मों को साइन करते हैं और स्टार फेस को देखते हुए प्रोड्यूसर्स भी खूब पैसा लगा देते हैं. महंगी फिल्में जब बजट से दोगुना–तीन गुना कमाई करती हैं तो बढ़िया है लेकिन अगर फिल्म उतनी कमाई नहीं कर पाती है तो प्रोड्यूसर्स को बड़ा लॉस होता है. अगर महंगी फिल्मों की बात करें तो बॉलीवुड में ऐसी कई फिल्में लिस्टेड हैं, लेकिन यहां बात बॉलीवुड की पहली सबसे महंगी फिल्म की कर रहे हैं जो उस दौर के हिसाब से बहुत ज्यादा महंगी थी. जी हां, हम बात फिल्म मुगल–ए–आजम की कर रहे हैं जिसका बजट बहुत ज्यादा था. बताया जाता है कि इस फिल्म के सेट को लगाने में सबसे ज्यादा पैसा खर्च हुआ था. श्मुगल–ए–आजमश हिंदी सिनेमा की सबसे महंगी फिल्म बताई जाती है. चलिए आपको इस फिल्म का बजट, कलेक्शन और इससे जुड़ी कुछ खास बात बताते हैं. बॉलीवुड की पहली सबसे महंगी फिल्म कौन सी है? बॉक्स ऑफिस मच गई थी धूम, नाम पहचाना? बॉलीवुड की पहली सबसे मंहगी फिल्म थी श्मुगल–ए–आजमश आईएमडीबी के मुताबिक, फिल्म मुगल–ए–आजम हिंदी सिनेमा की पहली सबसे महंगी फिल्म मानी जाती है. 1960 में रिलीज हुई इस फिल्म का बजट 1.5 करोड़ रुपये था. इस अमाउंट को के आसिफ ने अकेले लगाया था. रिपोर्ट्स के मुताबिक, के आसिफ ने उस समय कुछ प्रोड्यूसर्स से पैसा लगाने के लिए बात की थी लेकिन कोई तैयार नहीं हुआ. के आसिफ को विश्वास था कि श्मुगल–ए–आजमश को दर्शकों का प्यार मिलेगा और फिल्म अच्छी कमाई करेगी इसलिए उन्होंने अपना सबकुछ दांव पर लगाकर फिल्म बनाई. के आसिफ ने ना सिर्फ फिल्म का प्रोडक्शन संभाला बल्कि उन्होंने फिल्म की कहानी भी लिखी और इसे डायरेक्ट भी किया. बॉलीवुड की पहली सबसे महंगी फिल्म कौन सी है? बॉक्स ऑफिस मच गई थी धूम, नाम पहचाना? इसी रिपोर्ट में बताया गया कि फिल्म के सेट को लगाने में 15 से 25 लाख रुपये लगा था. वहीं कलाकारों की फीस और बाकी खर्चों को मिलाकर फिल्म को बनाने में लगभग 1.5 करोड़ रुपये का खर्चा आया था. 60श में ये बहुत बड़ा अमाउंट होता था. श्मुगल–ए–आजमश बॉक्स ऑफिस कलेक्शन आईएमडीबी के मुताबिक, फिल्म मुगल–ए–आजम का बजट 1.5 करोड़ रुपये था और फिल्म ने कई गुना ज्यादा की कमाई की थी।

वहीं Sacnilk के मुताबिक, इस फिल्म का बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 10.80 करोड़ रुपये वर्ल्डवाइड था. फिल्म का वर्डिक्ट ऑल टाइम ब्लॉकबस्टर था.ओटीटी पर श्मुगल–ए–आजमश 5 अगस्त 1960 को रिलीज हुई फिल्म मुगल–ए–आजम ब्लैक एंड व्हाइट थी जिसे बाद में रंगीन पर्दे पर भी रिलीज किया गया. अब तक इस फिल्म को कई बार री–रिलीज किया जा चुका है और हर बार दर्शकों का प्यार इस फिल्म को मिल जाता है.

एयरपोर्ट पर पपराजी के कैमरे में कैद हुई आलिया भट्ट, कुछ ऐसा था एक्ट्रेस का लुक

आलिया भट्ट अपनी कार से उतरकर एयरपोर्ट में एंट्री करती नजर आ रहीं हैं, जहां पपराजी उनका पहले से ही इंतजार...

फलों की बात करें तो पपीता भी आपके शरीर के लिए कई तरह से फायदेमंद है। यह पेट के लिए बहुत ज्यादा फायदेमंद माना जाता है जिन लोगों को अक्सर कब्ज की समस्या रहती है, उन्हें खाली पपीता खाना चाहिए। पपीता में पोटेशियम और फाइबर भरपूर होते हैं, जो दिल के लिए बढ़िया है। इसमें विटामिन के, कैल्शियम और फास्फोरस होता हैं जो हड्डियों को मजबूत बनाता हैं। विटामिन सी इम्यूनिटी को स्ट्रांग करता है। चलिए आपको पपीता के फायदे ही बताते हैं। एक बार जब आप पपीते के इतने फायदे जानेंगे तो पपीता नहीं खाते तो खाना शुरू कर देंगे।

कैंसर से बचाव

पपीता में उच्च मात्रा में फाइबर होता है, जो पाचन तंत्र को स्वस्थ बनाए रखने में मदद करता है और आंतरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाता है। फाइबर युक्त आहार कैंसर के कुछ रूपों के जोखिम को कम करने में सहायक हो सकता है। पपीते में मौजूद बीटा–कैरोटीन एक प्रकार का एंटीऑक्सीडेंट है जो शरीर में विटामिन ए में परिवर्तित हो जाता है। विटामिन ए के साथ–साथ, बीटा–कैरोटीन कुछ प्रकार के कैंसर के जोखिम को कम करने में मदद कर सकता है।

पाचन ठीक और इम्यूनिटी स्ट्रॉन्ग

पपीते में पपाइन नामक एंजाइम होता है, जो पाचन को दुरूस्त रखने में मदद करता है और प्रोटीन को आसानी से पचाने में सहायक होता है। पपीते में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है जो प्रतिरक्षा प्रणाली को

मजबूत करता है और शरीर को संक्रमण से बचाता है।

त्वचा के लिए बहुत अच्छा

पपीते में विटामिन सी, ई, ए और एंटीऑक्सिडेंट्स होते हैं जो त्वचा को निखारते हैं और झुर्रियों को जल्दी नहीं आने देते। पपीते का होममेड पैक बनाकर भी लगाया जा सकता है। अगर आपके चेहरे पर पुराने कील मुंहासे हैं तो उससे भी राहत मिलेगी, साथ ही पपीता आपके स्किन को साफ और चमकदार बनाने का काम भी करेगा।

वजन कंट्रोल

पपीता कैलोरी में कम और फाइबर में अधिक होता है, जो वजन को नियंत्रित करने में मदद करता है। वजन कम ना होने की एक वजह पेट से जुड़ी दिक्कतें भी हैं। पपीता पेट साफ रखता है जिससे वजन घटाने

में मदद मिलती है।

आंखों की सेहत

पपीते में विटामिन ए और कैरोटेनॉयड्स होते हैं जो आंखों की सेहत को बनाए रखने में मदद करते हैं और दृष्टि में सुधार कर सकते हैं।

हड्डियों के लिए अच्छा

इसमें विटामिन के, कैल्शियम, और फास्फोरस होता है जो हड्डियों की मजबूती के लिए लाभकारी है।

याद रखें ये बातें

पपीता खाने के वैसे तो फायदे ही फायदे हैं लेकिन गर्भवती महिला को पपीता खाने की सलाह नहीं दी जाती क्योंकि इससे पेट से जुड़ी दिक्कत हो सकती हैं जिससे गर्भपात भी हो सकता है। पपीते को खाने का सही समय दिन का है अगर पेट से जुड़ी दिक्कत रहती हैं तो खाली पेट पपीता खाया जा सकता है लेकिन अगर आपको दस्त जैसी समस्या है तो कुछ दिन पपीता खाना अवॉइड करें।

डेंगू ने एक बार फिर पूरे देश को डरा दिया है। डेंगू एक आम तरह का वायरल इंफेक्शन है, जो एडीज इजिप्टी मच्छरों द्वारा फैलता है। यह बीमारी गंभीर हो सकती है, और इसके लक्षण पहचानना और सही समय पर इलाज करना जरूरी है। इसके अलावा, कुछ देसी नुस्खे भी हैं जो डेंगू के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं। आइए विस्तार से जाने।

डेंगू के लक्षण

डेंगू के लक्षण मच्छर के काटने के 4–10 दिनों बाद दिखने लगते हैं। मुख्य लक्षण इस प्रकार हैं

–अचानक से तेज बुखार होना जो 104□℉ (40□ℂ) तक पहुंच सकता है।

–सिरदर्द, खासकर माथे के हिस्से में बहुत तेज दर्द होता है।

–आंखों के पीछे दर्द होना, जो देखने या आंखें हिलाने पर बढ़ता है।

मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, इस कारण इसे ष्ब्रेकबोन फीवरष भी कहा जाता है।

– शरीर में बहुत अधिक थकावट और कमजोरी महसूस होना।

–लाल–गुलाबी रंग के छोटे दाने शरीर पर दिखाई देने।

–कुछ लोगों को मतली और उल्टी की समस्या भी होती है।

– लिम्फ नोड्स में सूजन आ सकती है।

–डेंगू में प्लेटलेट्स की संख्या तेजी से कम होती है, जिससे खून का बहाव हो सकता है।

डेंगू किस तरह फैलता है

डेंगू वायरस मादा एडीज एजिप्टी मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर दिन के समय, खासकर सुबह और शाम के दौरान ज्यादा सक्रिय होते हैं। एक बार मच्छर संक्रमित व्यक्ति को काट ले, तो वह मच्छर वायरस को अन्य लोगों में फैलाने लगता है। डेंगू एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में सीधे नहीं फैलता, बल्कि मच्छर के माध्यम से फैलता है।

डेंगू के लिए देसी नुस्खे

डेंगू का कोई विशेष एंटीवायरल इलाज नहीं है, लेकिन कुछ देसी उपाय डेंगू के लक्षणों को कम करने में मदद कर सकते हैं और रिकवरी में सहायक हो सकते हैं। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ये नुस्खे मेडिकल इलाज का विकल्प नहीं हैं, बल्कि इसके साथ ही इन्हें इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

पपीते के पत्तों का रस

पपीते के पत्तों का रस डेंगू में प्लेटलेट्स की संख्या को बढ़ाने में मदद करता है। ताजे पपीते के पत्तों को धोकर उनका रस निकालें और रोजाना 2–3 चम्मच लें। इसे दिन में 2 बार लें।

गिलोय का रस

गिलोय एक प्राकृतिक प्रतिरक्षा बढ़ाने वाला औषधि है। यह शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाकर डेंगू से लड़ने में मदद करता है। गिलोय के तने का रस निकालकर पीएं। आप इसे रोजाना सुबह–शाम 2–3 चम्मच ले सकते हैं।

नीम का रस

नीम का रस खून की सफाई करता है और डेंगू के वायरस से लड़ने में मदद करता है। नीम के ताजे पत्तों का रस निकालकर पीएं या इसे गर्म पानी के साथ लिया जा सकता है।

काली मिर्च और हल्दी

हल्दी और काली मिर्च में एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–वायरल गुण होते हैं, जो डेंगू के संक्रमण से लड़ने में मदद कर सकते हैं।1 गिलास गर्म दूध में 1ध्2 चम्मच हल्दी और 1 चुटकी काली मिर्च मिलाकर पीएं। दिन में 1–2 बार इसे लें।

तुलसी और अदरक का काढ़ा

तुलसी में एंटी–बैक्टीरियल गुण होते हैं, और अदरक डेंगू के लक्षणों को कम करने में मदद करता है। 5–7 तुलसी के पत्ते और 1ध्2 इंच अदरक को 2 कप पानी में उबालें। इसे छानकर दिन में 2 बार पीएं।

मेथी के बीज

मेथी के बीज बुखार को कम करने में मदद करते हैं और शरीर से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालते हैं। मेथी के बीजों को रातभर पानी में भिगो दें और सुबह उसका पानी पीएं। आप मेथी की पत्तियों का भी सेवन कर सकते हैं।

बचाव के अन्य उपाय

– मच्छरदानी का उपयोग करें और मच्छर भगाने वाली क्रीम लगाएं।

– बर्तन, गमले, या किसी भी खुले स्थान पर पानी जमा न होने दें, क्योंकि ये मच्छरों के पनपने का स्थान हो सकता है।

–घर से बाहर जाते समय पूरी बाजू के कपड़े पहनें।

–घर में नीम, तुलसी, और लेमनग्रास के पौधे लगाएं, जो मच्छरों को दूर रखते हैं।

नोटः देसी नुस्खे डेंगू से उबरने में मदद कर सकते हैं, लेकिन सही मेडिकल सलाह लेना आवश्यक है।

आज के समय में खराब लाइफस्टाइल और बढ़ते हुए प्रदूषण के चलते बालों की शाइन गायब हो चुकी है। ऐसे में अगर आप भी अपने बालों की खोईं शाइन को वापिस लेकर आना चाहते हैं तो आपके किचन में रखा स्टार ऐनीज मसाला का प्रयोग जरुर करें। यह स्कैल्प को निखारकर बालों की स्थिति में सुधार करता है।

खराब जीवनशैली और बढ़ते हुए प्रदूषण की वजह से आज के समय में बालों की चमक गायब हो गई है। जिसे वजह से बाल भी बुरे दिखने लगते है। खूबसूरत बाल दिखने में अच्छे लगते हैं वल्कि आपके चेहरे की सुंदरता को भी बनाएं रखता है। कई बार बालों केमिकल ट्रीटमेंट करवाने की वजह से ज्यादातर लोग हेयर फॉल, ड्राई हेयर होने लगते हैं। अगर आपके बालों की भी शाइन चली गई है तो आप हेयर ग्रोथ को अच्छा करना चाहते हैं तो आपके किचन में रखा यह चमत्कारिक मसाला आपके बालों में काफी मदद कर सकता है। इसे मसाले का नाम चक्रफूल है। आइए जानते हैं कैसे चक्रफूल का इस्तेमाल करें।

चक्रफूल का तेल बनाएं

चक्रफूल का तेल बनाने के लिए सबसे पहले आप नारियल या जैतून का तेल गर्म करें। अब इस तेल में चक्रफूल डालकर तेल की धीमी आंच पर 2 घंटे तक उबलने दें, जिससे स्टार ऐनीज के गुण तेल में आ जाएं। इसके बाद तेल को ठंडा होने दें और फिर छानकर किसी कांच के कंटेनर या डिब्बे में रख दें। आप इस तेल की मालिश करेंगे तो बालों की ग्रोथ बढ़ेगी।

चक्रफूल का पानी

बालों को खूबसूरत और चमदार बनाने के लिए आप चक्रफूल का पानी भी प्रयोग कर सकते हैं। सबसे पहले आप चक्रफूल को गर्म पानी में उबालकर ठंडा होने के लिए रख दें। फिर आप बालों में शैम्पू लगाने के बाद इस पानी से धो लें। चक्रफूल में पाए जाने वाले गुण बालों को खुशबूदार बनाने के अलावा पोषण और मजबूती भी देने में सहायक है।

स्टार ऐनीज का ऑयल मास्क

इस मास्क को बनाने के लिए आप पिसी हुई स्टार ऐनीज को जैतून में मिला लें। बालों को माइल्ड शैम्पू से धोने से पहले आप इस तेल को बालों को 30 मिनट तक लगाकर रखें।

बदलता हुआ मौसम कई बीमारियां लेकर आता है। इस मौसम में ज्यादातर खांसी–जुकाम परेशान करती है। बरसात के मौसम में लोग तेजी से सर्दी–जुकाम के चपेट में आ जाते हैं, एक बार बीमार पड़ गए तो आसानी से ठीक नहीं होते हैं। इस मौसम में खांसी–जुकाम से बचने के लिए घरेलू उपायों का इस्तेमाल करके राहत पाया जा सकता है।

बदलता हुआ मौसम अपने साथ कई बीमारियां लेकर आता है। बारिश के मौसम के बाद ठंड की दस्तक होने लगी है। बरसात के मौसम में लोग तेजी से खांसी–जुकाम के शिकार होते हैं। खासी–जुकाम से बचने के लिए मेडिसिन तो कारगर साबित होती है लेकिन कुछ घरेलू उपाय अपनाने से खांसी–जुकाम में काफी राहत मिलती है। इस लेख में हम आपको खांसी जुकाम में जल्दी राहत दिलाने वाले उपाय बताने जा रहे हैं।

इन घरेलू उपायों से करें खांसी–जुकाम का इलाज

– अगर आप खांसी और जुकाम से परेशान है तो आप अदरक की चाय बनाकर पी लें। अदरक की चाय बनाने के लिए, आप अदरक के छोटे–छोटे टुकड़ों को काटकर पानी में उबाल लें और इसे चाय की तरह गर्मा–गर्म पिएं। इससे सेवन से आपकी खांसी और जुकाम ठीक होने में मदद मिलेगी। क्योंकि, अदरक में रोगाणुरोधी गुण बैकटीरियल और फंगल इंफेक्शन से लड़ने में मदद मिलती है।

– बदलते मौसम में खांसी–जुकाम से हो गए परेशान, तो आप नमक के पानी से गरारा भी कर सकते हैं। इससे गले को गर्माहट मिलती है और खांसी भी ठीक होती है।

– आप चाहे तो स्टीम इनहेलेशन भी कर सकते हैं। इससे सांस की नाली और गले को काफी आराम मिल सकता है। इसके लिए आप एक बर्तन में गर्म पानी कर सकते हैं, इसमें पिपरमेंट तेल मिलाएं या आप विक्स भी डाल सकते हैं। उसके बाद आप कपड़े से खुद को ढ़क कर भाप लें। इससे गले को काफी आराम मिलेगा।

– खांसी जुकाम होने पर हाइड्रेशन भी जरुरी है। शरीर को पर्याप्त पानी मिलने से बलगम को ढीला करने में मदद मिलती है।

– आप चाहें तो सूप भी पी सकते हैं। सूप का सेवन करने से सूजन में राहत मिलती। गले को शांत रखने के लिए आप खांसी के लक्षणों को कम करने के लिए सूप को पी सकते हैं। इससे शरीर में हाइड्रेशन भी बना रहता है। दरअसल, सूप में इस्तेमाल सब्जियां, दालें और भी चीजें शरीर के जरुरी विटामिन, मिनरल्स और एंटीऑक्सीडेंट प्रदान करते हैं।

– सर्दी–खांसी ने कर दिया परेशान, तो आप हल्दी वाला दूध पी सकते हैं। हल्दी करक्यूमिन नमक कंपाउंड होता है जो खांसी को कम करने में मदद कर सकता है। करक्यूमिन में नेचुरल एंटी इन्फ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड होते हैं जो गले की सूजन को कम करता है और इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है।

– यदि आप भी खांसी–जुकाम से परेशान हो गए हैं तो आप ऐसे में तुलसी का सेवन कर सकते हैं। इसके लिए आप 8 से 10 पत्तियों को पानी में उबालकर काढ़ा बनाकर पी लें और गर्मा–गर्म इसका सेवन करें।

डिस्क्लेमररू इस लेख के सुझाव सामान्य जानकारी के लिए हैं। इन सुझावों और जानकारी को किसी डॉक्टर या मेडिकल प्रोफेशनल की सलाह के तौर पर न लें। किसी भी बीमारी के लक्षणों की स्थिति में डॉक्टर की सलाह जरूर लें।

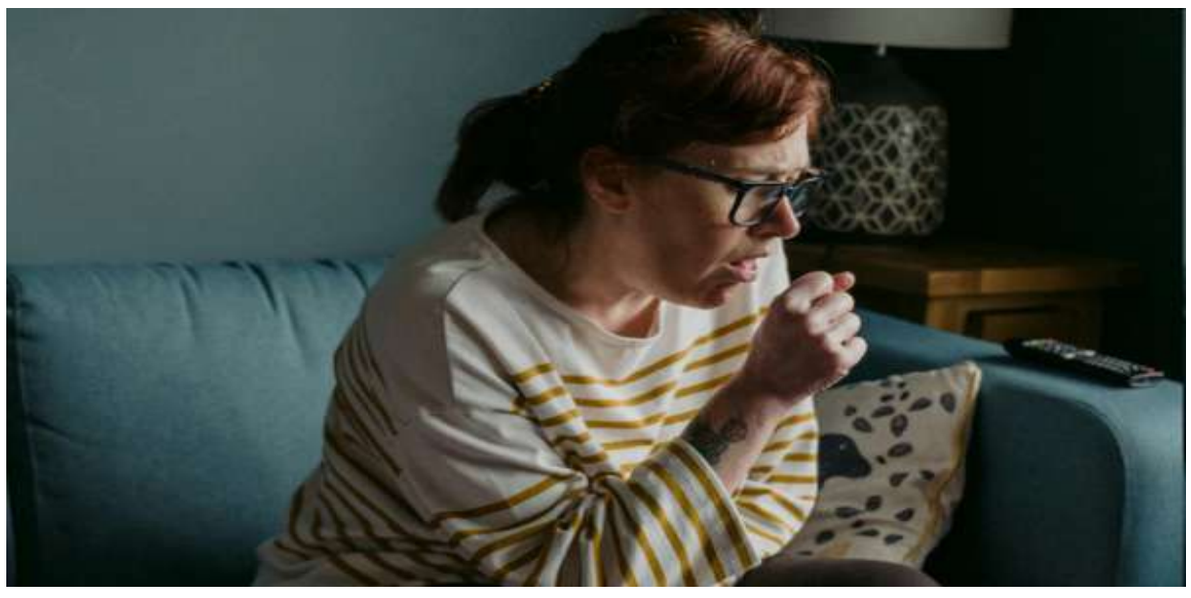

संक्षिप्त

खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव से महंगाई पर जोखिम, अगले साल से राहत मिलने की उम्मीद

मुंबई। खुदरा महंगाई के लगातार दूसरे महीने चार फीसदी से नीचे रहने के बावजूद खाद्य कीमतों में उतार–चढ़ाव का आकस्मिक जोखिम बना हुआ है। हालांकि, अगले साल से राहत मिलने की उम्मीद है। आरबीआईघ्ने शुक्रवार को जारी बुलेटिन में कहा, वैश्विक आर्थिक गतिविधि धीमी पड़ रही है। महंगाई में कमी की रफ्तार सुस्त होने से मौद्रिक नीति अधिकारियों के बीच सतर्कता बढ़ रही है। इसमें आगे कहा गया है कि 2024–25 में खुदरा महंगाईघ्2023–24 के 5.4 फीसदी से घटकर 4.5 फीसदी पर आ सकती है।घ्2025–26 में यह और कम होकर 4.1 फीसदी पर आ जाएगी। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा की अगुवाई वाली टीम ने लेख में कहा, चालू वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में घरेलू खपत तेजी से बढ़ने की राह पर है क्योंकि महंगाई घट रही है।

14 वर्षों में आईपीओ का रिकॉर्ड बना सकता है सितंबर

बुलेटिन में कहा गया है कि सितंबर पिछले 14 वर्षों में मेनबोर्ड व एसएमई दोनों क्षेत्रों में आईपीओ के लिए सबसे व्यस्त महीना होने वाला है। अब तक 28 से अधिक कंपनियां बाजार में प्रवेश कर चुकी हैं। प्राथमिक इक्विटी बाजार में बड़े पैमाने पर ओवरसब्सक्रिप्शन के साथ एसएमई की आईपीओ में रुचि बढ़ी है। सेबी के अध्ययन का हवाला देते हुए लेख में कहा गया है कि निवेशकों को मिले आईपीओ शेयरों में से 54 फीसदी शेयर लिस्टिंग के एक सप्ताह के भीतर बेच दिए गए थे।

खाद्य-तेल कंपनियों पर शिकंजा: 'कम शुल्क पर आयातित भंडार होने पर भी क्यों बढ़ रही कीमत', सरकार ने मांगा जवाब

नई दिल्ली। खाद्य तेलों की खुदरा कीमतों में अचानक वृद्धि पर सरकार ने तेल कंपनियों से जवाब मांगा है। सरकार ने इन कंपनियों से पूछा है कि जब कम शुल्क पर आयातित पर्याप्त भंडार है तो फिर कीमतें कैसे बढ़ रही हैं। इसका स्पष्टीकरण दें। साथ ही, कीमतों की स्थिरता सुनिश्चित करें। खाद्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने शुक्रवार को कहा, उद्योग से पूछा गया है कि त्योहारी सीजन में खुदरा कीमतों को स्थिर बनाए रखने के सरकार के निर्देशों के बावजूद दाम क्यों बढ़ रहे हैं। मंत्रालय का दावा है कि कम शुल्क पर आयातित स्टॉक आसानी से 45–50 दिनों तक चलेगा। इसलिए प्रोसेसर को

अधिकतम खुदरा कीमतें बढ़ाने से बचना चाहिए। कीमत में बढ़ोतरी ऐसे समय में हुई है जब त्योहारी सीजन करीब है और मांग बढ़ेगी। केंद्र के मुताबिक, कम शुल्क पर आयातित खाद्य तेलों का करीब 30 लाख टन भंडार है। यह 45 से 50 दिनों की घरेलू खपत के लिए पर्याप्त है। खाद्य मंत्रालय ने कहा, आयात शुल्क बढ़ाने का निर्णय घरेलू तिलहन किसानों को बढ़ावा देने के सरकार के चल रहे प्रयासों का हिस्सा है।

भंडार की उपलब्धता तक दाम नहीं बढ़ाने का निर्देश

सरकार ने 14 सितंबर से विभिन्न खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क में बढ़ोतरी की घोषणा की थी।घ्17 सितंबर को खाद्य मंत्रालय ने खाद्य तेल संगठनों की बैठक बुलाकर खुदरा कीमतों को स्थिर रखने को कहा था। प्रमुख खाद्य तेल संगठनों को यह सुनिश्चित करने की सलाह दी गई है कि शून्य फीसदी और 12.5 फीसदी मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) पर आयातित खाद्य तेल भंडार की उपलब्धता तक तेल की कीमत नरम रखी जाए।

टाटा स्टील ने चालू किया सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस, कलिंगनगर संयंत्र की जानें खासियत

देश में स्टील बनाने की शुरुआत टाटा कंपनी ने की थी। टाटा कंपनी ने एक बार फिर से नया ऐलान कर दिया है। कंपनी ने ओडिशा के कलिंगनगर में एक नया ब्लास्ट फर्नेस शुरू किया है। कंपनी ने दावा किया है भारत का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस शुरू किया गया है जो कलिंगनगर में है। इस ब्लास्ट फर्नेस की खासियत है कि इस संयंत्र की उत्पादन क्षमता को 30 लाख टन प्रति वर्ष से बढ़ाकर 80 लाख टन प्रति वर्ष करने में मदद मिलेगी।

ब्लास्ट फर्नेस एक एकीकृत इस्पात विनिर्माण संयंत्र का प्रमुख घटक होता है जो 1500 सेल्सियस तक के तापमान पर भी गर्म धातु का उत्पादन करने के लिए जरूरी है। टाटा स्टील ने नवंबर, 2018 में ओडिशा में अपनी कलिंगनगर परियोजना के विस्तार के लिए 27,000 करोड़ रुपये के दूसरे चरण की शुरुआत की थी। कंपनी ने एक विज्ञप्ति में कहा कि टाटा स्टील ने शुक्रवार को कलिंगनगर में भारत के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस को सफलतापूर्वक चालू किया। कंपनी ने कहा कि ओडिशा बीते 10 वर्षों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश के साथ भारत में टाटा स्टील का सबसे बड़ा निवेश गंतव्य बन गया है। टाटा स्टील के मुख्य कार्यपालक अधिकारी और प्रबंध निदेशक टी वी नरेंद्रन ने कहा, ''कलिंगनगर में भारत के सबसे बड़े ब्लास्ट फर्नेस का चालू होना इस्पात उद्योग के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। यह क्षमता, प्रौद्योगिकी और स्थिरता में नए मानक स्थापित करता है।'' टाटा स्टील ने कहा कि 5,870 घन मीटर क्षमता वाला यह फर्नेस इस्पात निर्माण प्रक्रिया को अनुकूल बनाने के लिए पर्यावरण–अनुकूल डिजाइन से लैस है।

पंत–गिल के शतकों से भारत ने बांग्लादेश के सामने रखा 515 रन का लक्ष्य

चेन्नई टेस्ट के तीसरे दिन भारतीय टीम ने बांग्लादेश टीम को जीत के लिए 515 रन का लक्ष्य दिया है। इस दौरान ऋषभ पंत ने शतक के साथ टेस्ट क्रिकेट में वापसी की जबकि शुभमन गिल ने भी शतक जमाकर लाल गेंद के क्रिकेट में अपना दबदबा फिर साबित किया जिससे पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को भारत ने बांग्लादेश पर शिकंजा कस लिया है।

ऋषभ पंत ने शतक के साथ टेस्ट क्रिकेट में वापसी की जबकि शुभमन गिल ने भी शतक जमाकर लाल गेंद के क्रिकेट में अपना दबदबा फिर साबित किया जिससे पहले क्रिकेट टेस्ट के तीसरे दिन शनिवार को भारत ने बांग्लादेश पर शिकंजा कस लिया है। चाय के समय बांग्लादेश ने 515 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए बिना किसी नुकसान के 56 रन बना लिये हैं। भारत ने कल के स्कोर तीन विकेट पर 81 रन से आगे खेलते हुए चार विकेट पर 287 रन पर पारी घोषित की। चाय के समय शादमान इस्लाम 21 और जाकिर हसन 32 रन बनाकर खेल रहे थे। भारत के लिये पंत ने 109 और शुभमन गिल ने नाबाद 119 रन बनाये। दिसंबर 2022 में कार हादसे के बाद टेस्ट क्रिकेट में वापसी करने वाले पंत ने छठा टेस्ट शतक सिर्फ 124 गेंद में पूरा किया। उन्होंने किसी भारतीय विकेटकीपर द्वारा सर्वाधिक टेस्ट शतक के महेंद्र सिंह धोनी के रिकॉर्ड की भी बराबरी की। पंत ने 109 रन बनाये जिसमें 13 चौके और चार छक्के शामिल थे। वहीं गिल ने पांचवां टेस्ट शतक जड़ते हुए 176 गेंद की अपनी पारी में दस चौके और चार छक्के जड़े। दोनों ने चौथे विकेट के लिये 217 गेंद में 167 रन जोड़े। पंत ने छठा टेस्ट शतक पूरा होने के बाद आंखें बंद करके ऊपर देखते हुए हवा में बल्ला लहराया। शायद वह ईश्वर को क्रिकेट

के मैदान पर वापसी या उस हादसे के बाद एक तरह से पुनर्जन्म के लिये धन्यवाद दे रहे थे। गिल दूर से उन्हें देखते रहे और उसके बाद दोनों ने एक दूसरे को गले लगाया। गिल ने पंत की तरह भले ही शारीरिक समस्यायें नहीं झेली हो लेकिन मानसिक रूप से वह भी आत्मविश्वास के लिये जूझ रहे थे। इस साल की शुरूआत में इंग्लैंड के खिलाफ विशाखापत्तनम टेस्ट में शतक लगाकर उन्होंने अपने आलोचकों को जवाब दिया। बांग्लादेश की टीम दूसरे दिन 149 रन पर आउट हो गई थी।

केएल राहुल ने इंटरनेशनल क्रिकेट में पूरे किए 8000 रन पूरे, खास बल्लेबाजों की लिस्ट में हुए शामिल

बांग्लादेश के खिलाफ जारी पहले टेस्ट मुकाबले में दूसरी पारी में केएल राहुल को बल्लेबाजी करने का ज्यादा मौका तो नहीं मिला, लेकिन इस दौरान उन्होंने 22 रन की अहम पारी खेली। साथ ही राहुल ने एक खास उपलब्धि भी हासिल कर ली है, वह इंटरनेशनल क्रिकेट में 8 हजार रन बनाने वाले खास बल्लेबाजों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। केएल राहुल भारतीय टीम के लिए इंटरनेशनल क्रिकेट में 2014 से शिरकत कर रहे हैं। उन्होंने देश के लिए 200 मुकाबले खेले हैं, इस बीच उनके बल्ले से 228 पारियों में 39.49 की औसत से 8017 रन निकले हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट में राहुल के नाम 17 शतक और 54 अर्धशतक दर्ज हैं। यहां उन्होंने अबतक कुल 767 चौके और 184 छक्के लगाए हैं। राहुल के बल्ले से ये रन 76.82 की स्ट्राइक रेट से आए हैं।

ऋषभ पंत ने बांग्लादेश की फील्डिंग की सेट, लोगों को याद आए एमएस धोनी

ऋषभ पंत का ऐसा वीडियो सामने आया, जिसे देखकर हंसी रोक पाना मुश्किल है। दरअसल, तीसरे दिन बल्लेबाजी के दौरान पंत बांग्लादेश की फील्डिंग सेट करते नजर आए। पंत की आवाज स्टम्प माइक पर रिकॉर्ड हो गई। वो गेंदबाज को फील्डर कहां लगाना है ये बताते हुए दिखे।

भारत और बांग्लादेश के बीच चेन्नई में पहला टेस्ट खेला जा रहा है। शनिवार को मैच के तीसरे दिन ऋषभ पंत और शुभमन गिल के बीच बेहतरीन पार्टनरशिप देखने को मिली। वहीं इसी दौरान ऋषभ पंत का ऐसा वीडियो सामने आया, जिसे देखकर हंसी रोक पाना मुश्किल है। दरअसल, तीसरे दिन बल्लेबाजी के दौरान पंत बांग्लादेश की फील्डिंग सेट करते नजर आए। पंत की आवाज स्टम्प माइक पर रिकॉर्ड हो गई। वो गेंदबाज को फील्डर कहां लगाना है ये बताते हुए दिखे। ये वीडियो देखकर फैंस को एमएस धोनी की याद आ गई, उन्होंने भी एक बार बांग्लादेश के खिलाफ ऐसा ही कुछ किया था। बता दें कि, पंत का जो वीडियो वायरल हो रहा है उसमें वे ये कह रहे हैं कि भाई एक फील्डर इधर मिडविकेट पर आएगा। दिलचस्प बात ये है कि बांग्लादेश के कप्तान नजमुल हुसैन शांतो ने पंत की सलाह पर मिडविकेट पर फील्डर भी

लगा दिया।

पंत के इस वीडियो पर फैंस भी कमेंट कर रहे हैं। वहीं 2019 के वर्ल्ड कप में बांग्लादेश के खिलाफ मैच में एमएस धोनी ने भी इस टीम की फील्डिंग सेट की थी। पंत ने चेन्नई टेस्ट से ही रेड बॉल क्रिकेट में वापसी की है। उन्होंने दूसरी पारी में अपना अर्धशतक भी पूरा कर लिया है। पंत ने 638 दिन बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में फिफ्टी जड़ी है। उन्होंने 88 गेंद में अपने पचास रन पूरे किए।

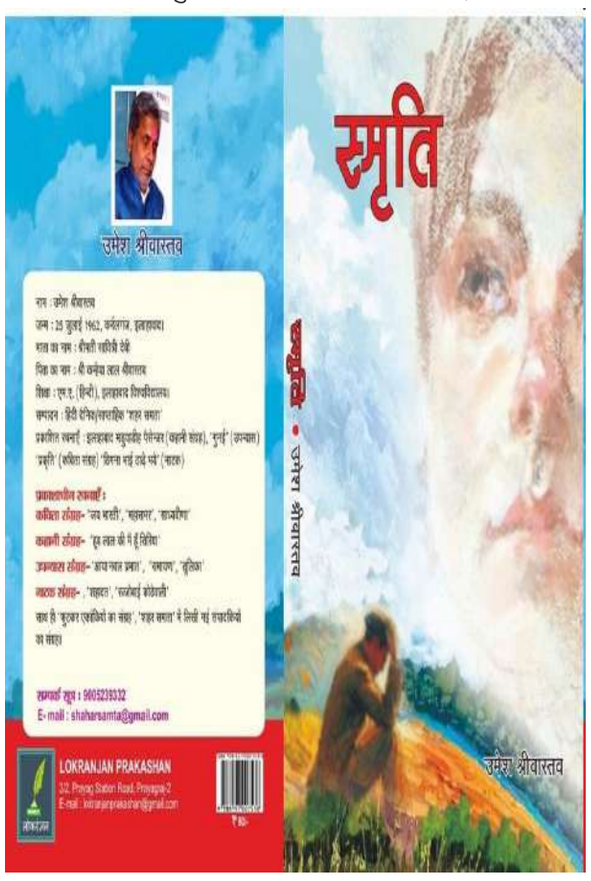

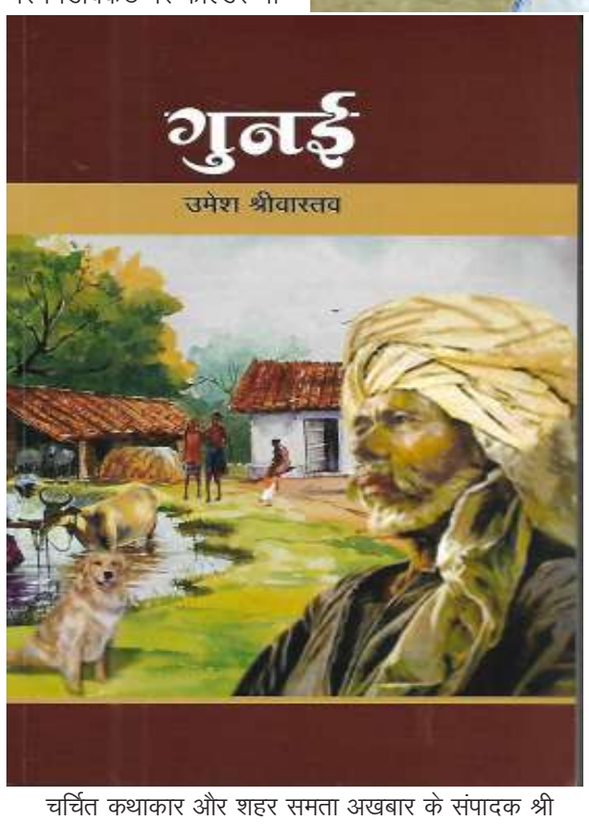

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

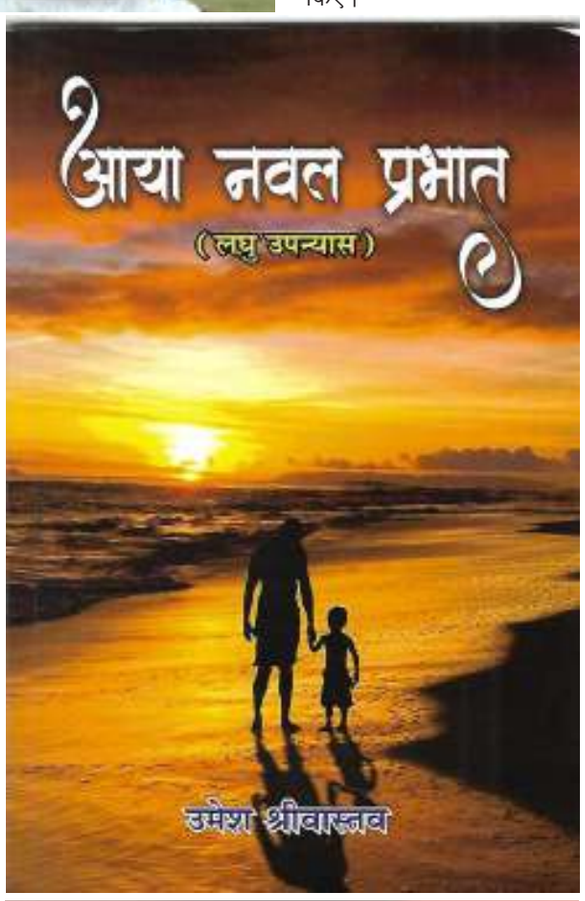

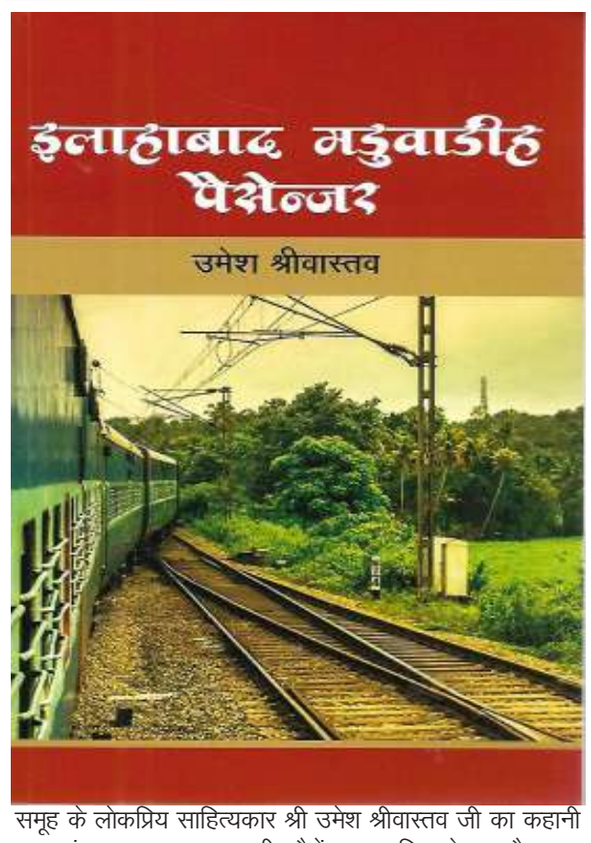

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

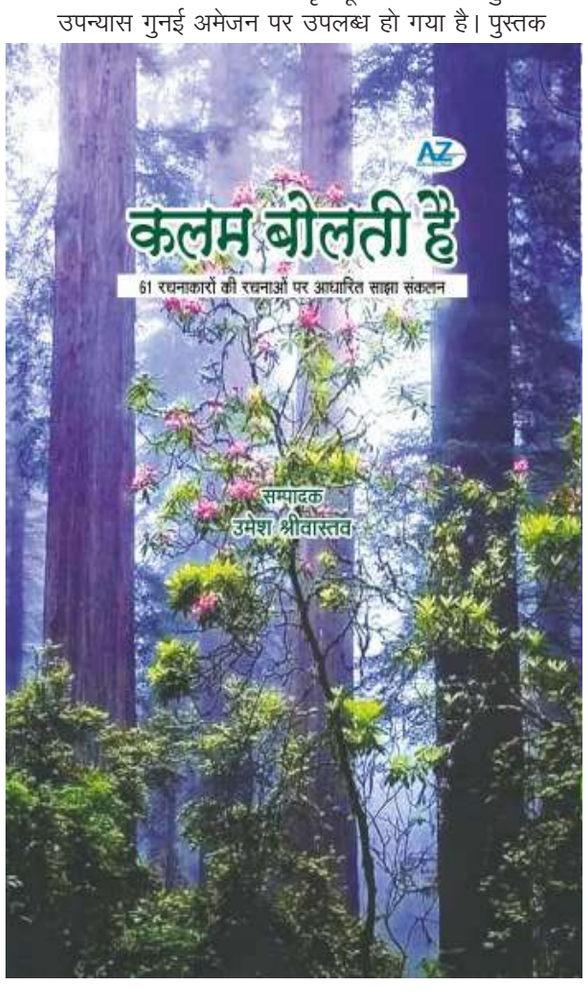

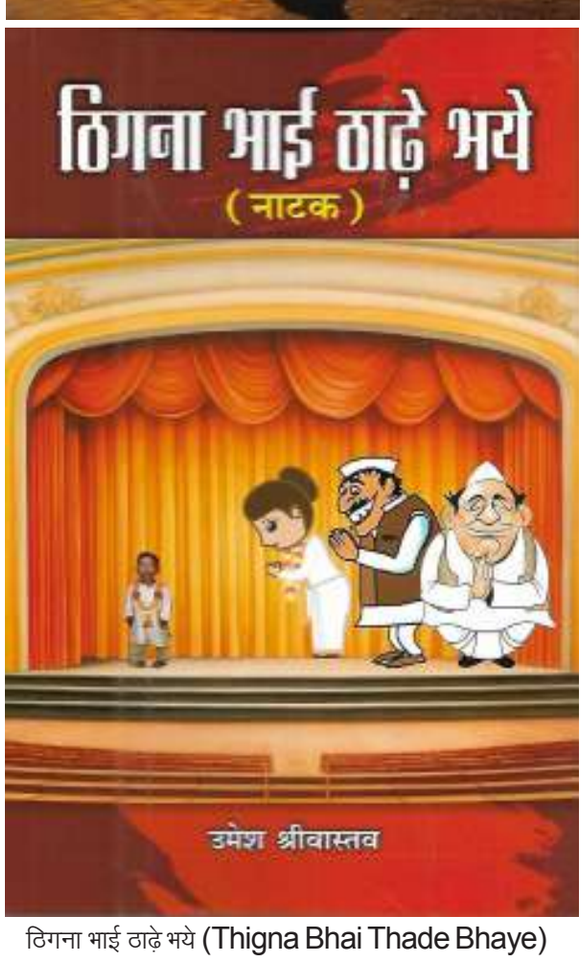

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

दिवालिया होने के बाद श्रीलंका में पहली बार राष्ट्रपति चुनाव, मैदान में 2 पूर्व राष्ट्रपतियों के बेटे भी

श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में 21 सितंबर यानी आज मतदान जारी है। 2022 में सबसे खराब आर्थिक संकट के बाद देश में यह पहला बड़ा चुनाव है। लगभग 17 मिलियन लोग 13,400 से अधिक मतदान केंद्रों पर अपना वोट डालने के लिए तैयार है। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हुआ और शाम 5 बजे तक चलेगा और नतीजे रविवार तक आने की उम्मीद है। श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनाव में 38 उम्मीदवार मैदान में हैं। चुनाव कराने के लिए 200,000 से अधिक अधिकारियों को तैनात किया गया है जिनकी सुरक्षा 63,000 पुलिस कर्मियों द्वारा की जाएगी। मौजूदा राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे देश को आर्थिक संकट से बाहर निकालने के अपने प्रयासों की सफलता के आधार पर एक निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ रहे हैं। कई विशेषज्ञ इसके लिए उनकी सराहना कर चुके हैं। त्रिकोणीय चुनावी लड़ाई में विक्रमसिंघे को नेशनल पीपुल्स पावर (एनपीपी) के अनुरा कुमारा दिसानायके और समागी जन बालावेगया (एसजेबी) के साजिथ प्रेमदासा से कड़ी टक्कर मिल रही है। विश्लेषकों का मानना छ्है कि 1982 के बाद से श्रीलंका के राष्ट्रपति चुनावों के इतिहास में पहली बार त्रिकोणीय मुकाबला हो रहा है। जैसे ही 2022 में श्रीलंका आर्थिक संकट में घिर गया। हालत ये हो गई कि विद्रोह की वजह से तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे को देश से भागना पड़ा। हालाँकि अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के बेलआउट से जुड़े कठोर सुधारों से जुड़ी विक्रमसिंघे की पुनर्प्राप्ति योजना शायद ही लोकप्रिय थी, लेकिन इसने श्रीलंका को लगातार तिमाहियों में नकारात्मक वृद्धि से उबरने में मदद की है। श्रीलंका का संकट 55 वर्षीय डिसनायका के लिए एक अवसर साबित हुआ है, जिन्होंने द्वीप की भ्रष्ट राजनीतिक संस्कृति को बदलने की अपनी प्रतिज्ञा के कारण समर्थन में वृद्धि देखी है। इस बार के चुनाव में अल्पसंख्यक तमिल मुद्दा तीनों प्रमुख दावेदारों में से किसी के भी एजेंडे में नहीं है. इसके बजाय, देश की खस्ताहाल अर्थव्यवस्था और इसके सुधार ने केंद्र में कदम रख दिया है और सभी तीन अग्रणी धावकों ने आईएमएफ बेल–आउट सुधारों के साथ बने रहने की कसम खाई है। डिसनायके और प्रेमदासा जनता को अधिक आर्थिक राहत देने के लिए आईएमएफ कार्यक्रम के साथ छेड़छाड़ करना चाहते हैं।

संक्षिप्त

चीन से मुकाबले के लिए भारत-अमेरिका को मिलकर काम करने की जरूरत, पीएम मोदी की यात्रा को लेकर बोले श्री थानेदार

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 21 सितंबर से शुरू होने वाली 3 दिवसीय अमेरिका यात्रा पर भारतीय–अमेरिकी अमेरिकी कांग्रेसी श्री थानेदार ने कहा कि अमेरिका में भारतीय प्रवासी प्रधानमंत्री मोदी की अमेरिका यात्रा को लेकर बहुत उत्साहित हैं। बहुत से लोग हैं जो प्रधानमंत्री मोदी से प्यार करते हैं, वे देश के लिए उनके द्वारा किए गए कार्यों की सराहना करते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के कारण भारत की आर्थिक शक्ति में वृद्धि हुई है और पूरे अमेरिका में रहने वाले भारतीय–अमेरिकी उनका

स्वागत करने के लिए बहुत उत्साहित हैं। अमेरिकी यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की राष्ट्रपति जो बिडेन के साथ बैठक पर भारतीय–अमेरिकी अमेरिकी कांग्रेसी श्री थानेदार ने कहा कि चीन बहुत आक्रामक हो रहा है और भारत और अमेरिका को बहुत मजबूत संबंध बनाने की जरूरत है, चाहे वह तकनीक, रक्षा, विज्ञान, वाणिज्य हो। हमें भारत के साथ मजबूत संबंध बनाने की जरूरत है। भारत और अमेरिका को एक साथ काम करने की जरूरत है क्योंकि चीन आक्रामक हो रहा है और चीन को धीमा करने का एकमात्र तरीका भारत–अमेरिका के बीच मजबूत संबंध हैं। राष्ट्रपति जो बिडेन के साथ पीएम मोदी की केमिस्ट्री बहुत अच्छी है। पीएम मोदी के राष्ट्रपति ट्रंप के साथ भी बहुत अच्छे संबंध थे। इसलिए, वह बहुत ही करिश्माई नेता हैं और अमेरिका पीएम मोदी द्वारा भारत को प्रदान किए गए नेतृत्व के लिए उनका सम्मान करता है।

भारतीय दूतावास में मिला शव, अधिकारी रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया

वाशिंगटन डीसी में भारतीय दूतावास के एक अधिकारी को मिशन परिसर के अंदर रहस्यमय परिस्थितियों में मृत पाया गया। दो दिन पहले हुई इस घटना की स्थानीय पुलिस और सीक्रेट सर्विस द्वारा जांच की जा रही है। वे आत्महत्या की संभावना सहित हर पहलू की जांच कर रहे हैं। भारतीय दूतावास के एक बयान के अनुसार, यह घटना बुधवार, 18 सितंबर को हुई और वर्तमान में स्थानीय पुलिस और सीक्रेट सर्विस द्वारा इसकी जांच की जा रही है। भारतीय दूतावास के बयान में कहा गया है कि दूतावास अधिकारी की मौत की जांच आत्महत्या की संभावना सहित सभी कोणों से की जा रही है। भारतीय दूतावास ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि गहरे अफसोस के साथ, हम पुष्टि करना चाहते हैं कि भारतीय दूतावास के एक सदस्य का 18 सितंबर 2024 की शाम को निधन हो गया। हम पार्थिव शरीर को शीघ्र भारत भेजने के लिए सभी संबंधित एजेंसियों और परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं। परिवार की निजता की चिंता के कारण मृतक के बारे में अतिरिक्त विवरण जारी नहीं किया जा रहा है। इस दुख की घड़ी में हमारी संवेदनाएं और प्रार्थनाएं परिवार के साथ हैं।

जिनकी आंखें नहीं, वे भी देख सकेंगे दुनिया, एलन मस्क के कौन से नए डिवाइस को मिली FDA की मंजूरी

टेक अरबपति ईलॉन मस्क की ब्रेन–चिप स्टार्टअप कंपनी न्यूरालिंक को एक एक्सपेरिमेंटल इम्प्लांट डिवाइस ब्लाइंडसाइट के लिए अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) से मंजूरी

मिल गई है। दावा है कि यह डिवाइस उन लोगों को भी देखने में सक्षम बनाएगी, जिन्होंने अपनी दोनों आंखें खो दी है। न्यूरालिंक विजन लॉस, पैरालिसिस और संचार चुनौतियों जैसी विकलांगताओं को दूर करने के लिए चिप इंटरफेस बना रही है। मस्क ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि न्यूरालिंक का ब्लाइंडसाइट डिवाइस उन लोगों को भी देखने में सक्षम बनाएगा, जिन्होंने अपनी दोनों आंखें और ऑप्टिक तंत्रिका खो दी हैं। बशर्ते कि विजुअल कॉर्टेक्स बरकरार रहे, यह उन लोगों को भी पहली बार देखने में सक्षम बनाएगा, जो जन्म से अंधे हैं। मस्क ने यह भी बताया कि शुरुआत में यह विजन लो–रिज़ोल्यूशन में होगी, ठीक वैसे ही जैसे पुराने वीडियो गेम्स में होते। उन्होंने मजाक में इसे श्अटारी ग्राफिक्सश जैसा बताया। लेकिन धीरे–धीरे यह तकनीक नेचुरल विजन से बेहतर हो सकती है और इसके जरिए व्यक्ति इन्फ्रारेड, अल्ट्रावायलेट और यहां तक कि रडार तरंगों को भी देख सकेगा। ट्वीट में उन्होंने साइंस फिक्शन टीवी सीरीज स्टार ट्रेक के एक पात्र जियोर्डी ला फोर्ज की तस्वीर भी पोस्ट की, जो जन्म से अंधा है, लेकिन विभिन्न तकनीकी उपकरणों का उपयोग करता है, जिससे वह देख सकता है। एफडीए की मंजूरी की पुष्टि करते हुए न्यूरालिंक ने कहा कि ब्लाइंडसाइट को अमेरिकी सरकारी निकाय से ब्रेकथ्रू डिवाइस डिजिग्नेशन प्राप्त हुआ है। एफडीए का ब्रेकथ्रू डिवाइस डिजिग्नेशन कुछ चिकित्सा उपकरणों को दिया जाता है जो जीवन के लिए खतरा पैदा करने वाली स्थितियों का उपचार या निदान प्रदान करते हैं। इसका उद्देश्य वर्तमान में विकास के

अलगाववादियों ने न्यूजीलैंड के पायलट को किया रिहा, 19 महीनों से बना रखा था बंधक

अशांत पापुआ क्षेत्र में एक साल से अधिक समय से बंधक बनाए गए न्यूजीलैंड के पायलट को अलगाववादी विद्रोहियों से छोड़ दिया। इंडोनेशिया के अधिकारियों ने इसकी जानकारी दी। बंधक बनाए पायलट की पहचान फिलिप मार्क्स मेहरटेंस के तौर पर की गई है, जो क्राइस्टचर्च के रहने वाले हैं। वह इंडोनेशिया एविएशन कंपनी सुसी एयर के लिए काम करते हैं। अलगाववादी विद्रोहियों ने शनिवार को फिलिप को कार्टेन्ज पीस टास्कफोर्स को सौंप दिया। बता दें कि कार्टेन्ज पीस टास्कफोर्स इंडोनेशिया की

सुरक्षा बल है। टास्कफोर्स के प्रवक्ता बायु सुसेनो ने कहा, ष्वह हमें अच्छे स्वास्थ्य के साथ मिले। उन्हें स्वास्थ्य जांच के लिए तिमिका ले जाया गया है।ष फ्री पापुआ मूवमेंट के एक क्षेत्रीय कमांडर एगियानस कोगोया के नेतृत्व वाली स्वतंत्रता सेनानियों ने पिछले साल सात फरवरी को फिलिप मेहरटेंस का अपहरण किया था। कोगोया ने पहले कहा कि जब तक इंडोनेशिया सरकार पापुआ को एक संप्रभु देश बनने की अनुमति नहीं देती, तब तक वे फिलिप को रिहा नहीं करेंगे। हालांकि, इस बीच वेस्ट पापुआ लिबरेशन आर्मी ने कहा था कि वे फिलिप को एक साल तक बंधक बनाने के बाद रिहा कर देंगे। नेयूज़ीलैंड सरकार ने बताया कि फिलिप मेहरटेंस, जिन्हें इंडोनेशिया के पापुआ में बंधक बनाया गया था, उन्हें अब छोड़ दिया गया है। विदेश मंत्री विंस्टन पीटर्स ने एक बयान जारी कर मेहरटेंस की रिहाई पर राहत व्यक्त की। उन्होंने कहा, ष्हमें यह बताते हुए खुशी हो रही है कि फिलिप मेहरटेंस सुरक्षित और स्वस्थ हैं। वह अब अपने परिवार से बात करने के लिए सक्षम हैं। यह उनके परिवारवालों और दोस्तों के लिए राहत की खबर होगी।ष विदेश मंत्रालय ने बताया कि पिछले 19 महीने से सरकारी एजेंसियां फिलिप मेहरटेंस को वापस लाने के लिए इंडोनेशियाई अधिकारियों के संपर्क में थी।

'भारत जाना आसान, लेकिन निकलना मुश्किल', सामने आया जाकिर नाइक का डर; खुद को सबसे बड़ा आतंकी बताया

कुआलालंपुर। विवादित बयानों से चर्चाओं में रहने वाले इस्लामी उपदेशक जाकिर नाइक ने भारत वापसी को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि उनके लिए भारत आना आसान है। लेकिन वहां से निकल पाना मुश्किल है। नाइक ने तंज भरे लहजे में कहा कि जाना तो बहुत आसान है, लेकिन निकलना मुश्किल है। जब मैं भारत जाऊंगा दो रेड कॉर्पेट बिछा दिया जाएगा और कहा जाएगा कि अंदर आओ जेल में बैठो। उनकी

सूची में मैं ही नंबर वन आतंकी हूं। भारत में वांछित नाइक लंबे समय से मलयेशिया में रह रहे हैं। नाइक एक पाकिस्तानी यूट्यूबर के पॉडकास्ट में बोल रहे थे। जिसमें उन्होंने दावा किया कि उनके खिलाफ लगाए गए आरोप झूठे हैं। नाइक ने कहा, मुझ पर काफी इल्जाम लगाए गए हैं, लेकिन एक भी साबित नहीं हो पाया है। बांग्लादेश के हमले से शुरुआत हुई। एक जुलाई 2016 में आतंकी हमला हुआ। इसमें चार–पांच आतंकवादी शामिल थे। एक आतंकवादी मेरे फेसबुक पर फॉलोअर था। उसको तोड़–मरोड़कर कहा गया कि मुझसे प्रेरित होकर उसने आतंकवादी हमला किया। प्रेरित करने और फॉलोअर होना अलग बात होती है। मुझे वहां की सरकार ने रातोंरात मशहूर कर दिया। पॉडकास्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा, अभी तो दस साल उनके बहुत अच्छे थे। इस चुनाव में लोकप्रियता कम हो गई। उनकी पार्टी ने कहा था कि हम 400 पार करेंगे। लेकिन अल्लाह की मदद से पचास फीसदी सीट भी नहीं मिलीं। उनकी पार्टी अकेले 50 फीसदी सीट नहीं ला पाई। फिर से प्रधानमंत्री बन गए। लेकिन उनका जो रौआब था, वह खुद को खुदा मानने लगे थे। वह कम हो गया। जब उनके पास पूर्ण बहुमत होता तो कुछ भी कर सकते थे।

चीन में आई सबसे अजीब समस्या, युवाओं का नया ट्रेंड बना जिनपिंग का सिरदर्द

एक अजीब घटना ने चीन को हिलाकर रख दिया है। चीन की सरकार बुरी तरह से घबरा गई है। पूरा भारत भी इस खबर को सुनकर हैरान हो जाएगा। चीन में ऐसा बवाल शुरू हुआ है कि इस साल बच्चों से ज्यादा पालतू कुत्ते और बिल्ली हो जाएंगे। यानी खुद को महाशक्ति बोलने वाले चीन में अब बच्चों से ज्यादा पालतू जानवर होंगे। इनवेस्टमेंट बैंक गोल्डमैन शैक की एक रिपोर्ट कहती है कि इस साल के आखिर तक चीन के शहरों में पालतू जानवरों की संख्या चार साल के उम्र के बच्चों से भी ज्यादा हो जाएगी। हान्गकॉन्ग यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी के एक प्रोफेसर स्टुअर्ट बास्टेन ने कहा है कि चीन में युवा जोड़े बेरोजगारी की वजह से कई चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। इन लोगों के लिए बच्चे पालना काफी महंगा हो गया है। इसलिए अब चीन के लोग बच्चों की जगह पालतू जानवर पाल रहे हैं। जिनमें सबसे ज्यादा कुत्ते और बिल्ली शामिल है। 36 वर्षीय हैनसेन और 35 वर्षीय मोमो जैसे कई चीनी जोड़े बच्चों के लिए नहीं इसके बजाय, वे पालतू माता–पिता बन गए हैं। अनुमान के अनुसार, 2030 तक अकेले शहरी चीन में पालतू जानवरों की संख्या देश भर में छोटे बच्चों की संख्या से लगभग दोगुनी हो जाएगी। यदि ग्रामीण क्षेत्रों में कुत्तों और बिल्लियों की संख्या को शामिल कर लिया जाए तो देश की पालतू स्वामित्व दर और भी अधिक होगी। गोल्डमैन सैक्स का अनुमान एक ऐसी पीढ़ी के बदलते मूल्यों को दर्शाता है जो अब पारंपरिक सोच का समर्थन नहीं करती है कि शादी का मतलब जन्म देना और पारिवारिक वंश को आगे बढ़ाना है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने भारत में उत्पादन पर ध्यान केंद्रित किए जाने की जरूरत पर जोर देते हुए कहा है कि वैश्विक उत्पादन में चीन का प्रभुत्व है इसलिए वह बेरोजगारी का सामना नहीं कर रहा है जबकि भारत और अमेरिका समेत पश्चिमी देश बेरोजगारी की समस्या से जूझ रहे हैं। लेकिन आपको ये जानकर हैरानी होगी कि जुलाई के महीने में चीन में युवाओं की बेरोजगारी दर 17 प्रतिशत तक पहुंच गई है।

लेबनान में हुए पेजर्स धमाकों में इस भारतीय का नाम आया सामने, जांच में चौंकाने वाला खुलासा

बुल्गारिया। लेबनान में हाल ही में हिजबुल्ला के सदस्यों को निशाना बनाकर किए गए पेजर्स धमाकों के चलते पूरे पश्चिम एशिया का तनाव बढ़ा हुआ है। अब इसे लेकर नया खुलासा हुआ है। दरअसल इन धमाकों की जांच में एक भारतीय का नाम सामने आया है। इस भारतीय की पहचान केरल के वायनाड से ताल्लुक रखने वाले रिनसन जोस के रूप में हुई है। रिनसन जोस के पास अब नॉर्वे की नागरिकता है। लेबनान में हुए पेजर्स धमाकों में 12 लोग मारे गए थे और हजारों लोग घायल हुए थे।

बुल्गारिया की कंपनी का स्वामित्व भारतीय मूल के व्यक्ति के पास

पेजर धमाके की जांच में पता चला है कि हिजबुल्ला को पेजर की आपूर्ति करने वालों में बुल्गारिया की एक कंपनी भी शामिल है। इस बुल्गारियाई कंपनी का स्वामित्व भारतीय मूल के रिनसन जोस के पास है। शुरुआती जांच में पता चला है कि पेजर्स में कथित तौर पर इस्राइल की खुफिया एजेंसी मोसाद ने तीन–तीन ग्राम विस्फोटक प्लांट किए थे। हिजबुल्ला ने पेजर्स सप्लाई का समझौता ताइवान की कंपनी गोल्ड अपोलो के साथ किया था। हालांकि धमाकों के बाद गोल्ड अपोलो ने कहा कि जिन एआर–924 पेजर्स में धमाके हुए, उनका निर्माण हंगरी के बुडापेस्ट स्थित कंपनी ठ।ब द्वारा किया गया था। गोल्ड अपोलो ने कहा कि हंगरी की कंपनी के पास उनके उत्पाद बनाने का लाइसेंस है। अब पता चला है कि हिजबुल्ला को भेजे गए पेजर्स की आपूर्ति में बुल्गारिया की कंपनी नोर्टा ग्लोबल लिमिटेड भी शामिल थी। नोर्टा ग्लोबल लिमिटेड कंपनी रिनसन जोस की है, जिसकी स्थापना रिनसन ने साल 2022 में की थी।

सुप्रीम कोर्ट ने पाकिस्तान सरकार को दिया झटका, पिछली तारीख से कानून लागू करने पर लगाई रोक

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने शहबाज शरीफ सरकार को झटका देते हुए संसद द्वारा उन कानूनों को पिछली तारीख से लागू करने पर रोक लगा दी है, जिनसे लोगों के अधिकार प्रभावित होते हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि राष्ट्रीय या प्रांतीय असेंबली ऐसे कानून नहीं बना सकतीं, जो लोगों को संविधान में मिले मौलिक अधिकारों का उल्लंघन करते हों। पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला पाकिस्तान की नेशनल असेंबली के स्पीकर अयाज सादिक द्वारा चुनाव आयोग को भेजे पत्र के बाद सामने आया है। इस पत्र में अयाज सादिक ने चुनाव आयोग से मांग की कि संसद ने हाल ही में चुनाव कानून में जो बदलाव किए हैं, उन्हें पिछली तारीख से लागू किया जाए। इन बदलावों के तहत निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव में जीत के बाद किसी राजनीतिक पार्टी में शामिल नहीं हो सकेंगे। सरकार के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की गई। जिस पर सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ की अध्यक्षता कर रहे जस्टिस सैयद मंसूर अली शाह ने फैसले में कहा कि संविधान का अनुच्छेद 8 संसद और प्रांतीय विधानसभाओं को ऐसे किसी भी कानून को बनाने से रोकता है, जो लोगों के संवैधानिक अधिकारों को प्रभावित करते हैं। न्यायमूर्ति शाह ने कहा कि यह निषेध भावी और पूर्वव्यापी दोनों कानूनों पर समान रूप से लागू होता है। पूर्वव्यापी कानून पिछले समय की बात करते हैं और कानून बनने से पहले हुई चीजों के लिए नियमों को बदलते हैं। दूसरी ओर, भावी कानून भविष्य में लागू होने वाले नियमों के बारे में बताते हैं। दरअसल पाकिस्तान सरकार ने प्ज्ट प्रावधान के तहत 1 जुलाई, 2010 और 20 जून, 2021 के बीच नई मशीनरी खरीदने और स्थापित करने वाले उद्योगों को 10 प्रतिशत का कर क्रेडिट देने का एलान किया था, लेकिन बाद में वित्त अधिनियम के जरिए बदलाव करते हुए सरकार ने इस कानून को 2021 के बजाय 2019 तक लागू रखने का प्रावधान कर दिया और उद्योगों के कर क्रेडिट में कटौती कर इसे पांच प्रतिशत कर दिया।

इसी फैसले के खिलाफ लोगों ने सिंध उच्च न्यायालय में अपील की। सिंध उच्च न्यायालय ने भी सरकार के प्रावधान को खारिज कर दिया। उच्च न्यायालय के फैसले के खिलाफ राजस्व आयुक्त ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की। अब सुप्रीम कोर्ट से भी पाकिस्तान सरकार को झटका लगा है और सुप्रीम कोर्ट ने उच्च न्यायालय के फैसले को सही माना है।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक
(तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।